राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,30 अगस्त-2021 वर्ष-4,अंक-218 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

मुंबई वसूली कांड:

पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को मिली क्लीन चिट!

मुम्बई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए वसूली के आरोपों की जांच कर रही सीबीआई की एक कथित रिपोर्ट ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। सीबीआई की कथित रिपोर्ट कितनी सटीक है अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन इस कथित रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीआई ने वसूली कांड में अनिल देशमुख को क्लीनचिट दे दी है। ये कथित क्लीनचिट सीबीआई की प्रारंभिक जांच के बाद दी गई है। सीबीआई की कथित रिपोर्ट के बारे में कहा गया है कि अनिल देशमुख के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अगर सीबीआई ने प्रारंभिक जांच में अनिल देशमुख को क्लीन चिट दे दी थी तो फिर उनके खिलाफ बाद में एफआईआर क्यों दर्ज की गई। सीबीआई की कथित रिपोर्ट को डीएसपी आरएस गुंज्याल ने तैयार किया है।

इस रिपोर्ट में अनिल देशमुख पर लगाए गए आरोपों के हर पहलुओं पर चर्चा की गई है। कांग्रेस ने दावा किया है कि वसूली केस की जांच कर रही सीबीआई ने क्लीन चिट दे दी है। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि सीबीआई के जांच अधिकारी (आईओ) को महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की कोई भूमिका नहीं मिली है और जांच बंद कर दी, कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने जांच अधिकारी की रिपोर्ट को अवहेलना करने के लिए सीबीआई द्वारा की गई 'साजिश' की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।

38 साल बाद देश के राष्ट्रपति अयोध्या पहुंचे, बोले: राम के बिना अयोध्या की कल्पना संभव नहीं

राम सबके, राम सब में हैं

अयोध्या। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद प्रेसीडेंसीएल ट्रेन अयोध्या पहुंच गए हैं। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ देश की प्रथम महिला नागरिक सविता कोविंद, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हैं। राष्ट्रपति ने रामायण कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि राम सबके हैं और राम सब में हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या मानव सेवा का उत्कृष्ट केंद्र बने। शिक्षा और शोध का भी वैश्विक केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि रामकथा के आदर्श का प्रचार प्रसार हो। समस्त मानवता एक ईश्वर की संतान है। श्री कोविंद ने कहा कि विश्व समुदाय और युवा पीढ़ी को राम कथा में निहित जीवन मूल्यों से जोड़ना चाहिए। रामायण में राम निवास करते हैं। वाल्मीकि जी ने कहा था जब तक पृथ्वी पर नदी और पर्वत रहेंगे रामकथा लोकप्रिय रहेगी। रामकथा

की लोकप्रियता विश्वव्यापी है। और विदेश में प्रचलित है। श्री कोविंद रामकथा के अनेक पठनीय रूप देश यहां राम कथा पार्क में आयोजित रामकथा कांक्लेव का शुभारंभ करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पर्यटन विभाग की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिल्यान्यास भी किया। इस दौरान लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने शानदार अंदाज में गीतों की प्रस्तुति दी। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने जय श्रीराम का जयघोष किया। अयोध्या धाम को पूरी तरह से सील किया गया। सभी एंट्री प्वाइंट पर बैरियर लगाए गए। महामहिम 4 घंटे 10 मिनट अयोध्या में रहेंगे। 12 बजे से 1 बजे तक राम कथा पार्क रामायण कॉन्क्लेव के शुभारंभ कार्यक्रम में रहेंगे। 2 बजे से 3 बजे तक हनुमानगढ़ी और रामलला दर्शन पूजन करेंगे।

अफगानिस्तान के हालात चुनौतीपूर्ण : रक्षामंत्री

जरूरत पड़ी तो उनकी धरती पर जाकर खत्म करेंगे आतंक

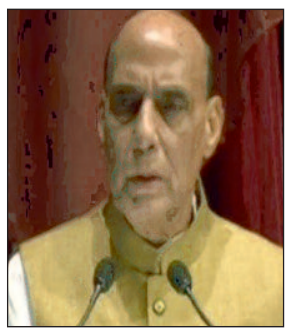

वेलिंगटन। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो जाने के बाद वहां के हालात बहुत ही चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। इन हालातों ने कई देशों को अपनी रणनीति में बदलाव करने के लिए मजबूर कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज में कहा कि वर्तमान हालातों ने हमें मजबूर कर दिया है कि हम अपनी रणनीति में बदलाव करें। अब भारत, अफगानिस्तान पर दोबारा से सोच रहा है और नई रणनीति तैयार कर रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो हम उनकी धरती पर जाकर सैन्य अभियान चलाएंगे और आतंक को खत्म करेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऐसी ही चुनौतियों से लड़ने के लिए रक्षा मंत्रालय इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप बनाने पर तेजी से विचार कर रहा है। क्योंकि, युद्ध के समय सबसे महत्वपूर्ण होता है कि आप कितनी जल्दी निर्णय ले रहे हैं। ये बैटल ग्रुप जल्द निर्णय तो लेंगे ही साथ लड़ाकों की यूनिट भी तैयार करेंगे। ये बैटल ग्रुप हमारे दुश्मनों का खात्मा करने में सक्षम होंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि भारत के युवा, सैनिकों जैसी राष्ट्रभक्ति और अनुशासन सीखें। इसके लिए हमें नए रास्ते खोजने होंगे, जिससे सेना के प्रति युवाओं के रूझान को बढ़ाया जा सके। इसके लिए रक्षा मंत्रालय टूर ऑफ ड्यूटी पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि यह निर्णय हमारे लिए गेम चेजिंग साबित होगा और भारतीय सेना की औसत उम्र को भी कम कर देगा। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दो लड़ाईयां हारने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आतंक का सहारा लेना शुरू कर दिया। वह आतंकियों को हथियार व प्रशिक्षण दे रहा है, लेकिन एक बात मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि अब भारत बदल चुका है और वह अपनी जमीन पर आतंकियों को पनपने तो देगा ही नहीं साथ ही उनके खिलाफ अभियान भी चलाएगा।

ड्रग्स मामले में एक्टर अरमान कोहली गिरफ्तार, 12 घंटे चली थी पूछताछ

मुम्बई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थों के मामले में अभिनेता अरमान कोहली को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। इससे पहले अरमान कोहली के घर से कथित तौर पर प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद होने के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा उनसे पूछताछ की गई।

अरमान कोहली और ड्रग पेडलर अजय राजू सिंह को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 (ए), 27 (ए), 28, 29, 30 और 35 के तहत गिरफ्तार किया गया। आपको बता दें कि एनसीबी की एक टीम ने शाम में कोहली के घर पर छापा मारा था और बाद में उन्हें दक्षिण मुंबई स्थित एजेंसी के कार्यालय ले जाया गया क्योंकि उनके घर से कुछ नशीला पदार्थ मिला था। एक अधिकारी ने बताया कि बताया कि एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े और अन्य अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। कोहली ने अन्य फिल्मों के अलावा सलमान खान अभिनीत फिल्म ह्यप्रेम रतन धन पायोह्ण में अभिनय किया है और वह टेलीविजन रियलिटी शो ह्यबिग बॉसह्ण के प्रतियोगी भी रह चुके हैं। कोहली के खिलाफ यह कार्रवाई एक दिन पहले यहां केंद्रीय मादक पदार्थ रोधी एजेंसी द्वारा टेलीविजन अभिनेता गौरव दीक्षित की गिरफ्तारी के बाद की गई।

मेरठ में बेखौफ अपराधी

किठौर में दिन निकलते ही दो किशोरों की हत्या

मेरठ। किठौर में रविवार को दिन निकलते ही दो किशोरों की निर्मम हत्या कर दी गई। दोनों के शव गांव के बाहर जंगल में पड़े मिले हैं। बताया गया कि दोनों किशोर शनिवार शाम को अपने घर से कुछ देर बाद लौटने की बात कहकर निकले थे लेकिन वापस नहीं लौटे, जिसके बाद रविवार को दोनों के शव जंगल में मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए। वहीं किशोरों की हत्या के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार किठौर थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर निवासी सादिक (14) पुत्र जाने-आलम और अमन (13) पुत्र महराज शनिवार शाम 5:30 बजे घर से निकले थे। उसके बाद दोनों किशोर अपने घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लगा। रविवार सुबह दोनों किशोरों के शव किठौर क्षेत्र के फतेहपुर नारायण गांव के जंगल में

ईख के खेते के पास मिले। दोनों के शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी मच गई। घटना के बाद सीओ किठौर बृजेश सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को घटना की सूचना दी। एसएसपी प्रभाकर चौधरी, एसपी देहात केशव कुमार ने भी मौके पर पहुंचकरे घटना के संबंध में जांच पड़ताल की। स्थानीय लोगों ने पूछताछ में बताया कि दोनों किशोर दोस्त थे।

पीएम के मन की बात

प्रधानमंत्री ने कहा: ओलिंपिक ने इस बार प्रभाव पैदा किया, हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई, नया नारा- सब खेलें, सब खिलें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने खेलों और खासकर हॉकी का जिक्र करते हुए मेजर ध्यानचंद को याद किया और एक नया नारा दिया- सब खेलें, सब खिलें। मोदी ने कहा कि ओलिंपिक ने इस बार प्रभाव पैदा किया है और हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई है। साथ ही कहा कि हुनरमंद लोग आज के विश्वकर्मा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मेजर ध्यानचंद की जयंती है। मैं सोच रहा था कि ध्यानचंद जी की आत्मा जहां होगी प्रसन्न होगी। दुनिया में भारत की हॉकी का डंका बजाने का काम ध्यानचंद की हॉकी ने किया था। 4 दशक बाद भारत के बेटे और बेटियों ने हॉकी में जान भर दी। कितने ही मेडल मिल जाएं, हॉकी का मेडल मिलने के बाद ही भारतीय आनंद लेता है। इस बार पदक मिला। ध्यानचंद जी का जीवन खेल को समर्पित था, उनकी आत्मा प्रसन्न होगी। मोदी ने कहा है कि आज का युवा अलग करना चाहता है। वो बने बनाए रास्ते पर नहीं चलना चाहता है, नए रास्तों पर चलना चाहता है। उसकी मंजिल, राह और चाह नई है। कुछ समय पहले ही भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को ओपन किया और युवा पीढ़ी ने उस मौके को पकड़ लिया। नौजवान आगे गए और मुझे भरोसा है कि आने वाले दिनों में बहुत बड़ी संख्या ऐसे सैटेलाइट की होगी, जिन पर कॉलेज और यूनिवर्सिटी की लैब में युवाओं ने काम किया होगा। मोदी ने कहा कि आज छोटे शहरों में स्टार्टअप कल्चर का विस्तार हो रहा है। युवा रिस्क लेना चाहता है। युवाओं ने दुनिया में भारत के खिलौने की पहचान बनाने की ठान ली। आज हमारे देश का युवा उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक बात मन को खुशियों से भरती है, विश्वास को मजबूत करती है। आमतौर पर स्वभाव बन चुका था कि चलता है। युवा मन अब सर्वश्रेष्ठ की तरफ केंद्रित कर रहा है, वो सर्वोत्तम करना चाहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार ओलिंपिक ने प्रभाव पैदा किया। अभी पैरालिंपिक्स चल रहा है। जो हुआ वो विश्वास पैदा करने के लिए बहुत है। युवा ईकोसिस्टम को देख रहा है, समझ रहा है, परंपरागत चीजों से निकल रहा है। हर परिवार में खेल की चर्चा शुरू हुई है। इसे रुकने नहीं देना चाहिए। अब देश में खेल, खेल भावना रुकनी नहीं है। इसे पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्र जीवन में स्थाई करना है और निरंतर नई ऊर्जा से भरना है। गांव, शहर में खेल के मैदान भरे होने चाहिए। सबके प्रयास से ही भारत खेलों में वो ऊंचाई हासिल करेगा जिसका वो हकदार है। मेजर ध्यानचंद जी ने जो राह दिखाई है, उसमें आगे बढ़ना हमारी जिम्मेदारी है। खेलों के प्रति परिवार, समाज और राष्ट्र जुट रहा है। मोदी ने कहा कि कल जन्माष्टमी का महापर्व है। कृष्ण के जन्म का पर्व। नटखट कन्हैया से लेकर विराट रूप तक, शास्त्र से शस्त्र सामर्थ्य वाले कृष्ण को हम जानते हैं। इस महीने की 20 तारीख को सोमनाथ मंदिर से जुड़े कामों का लोकार्पण किया गया।

दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर ट्रांसजेंडर कर सकते हैं पृथक शौचालय का इस्तेमाल

नयी दिल्ली। ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए मेट्रो को सुलभ बनाने की दृष्टि से डीएमआरसी ने उन्हें पृथक शौचालयों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है जो अब तक केवल दिव्यांग यात्रियों के लिए थे। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसके अलावा जो ट्रांसजेंडर यात्री स्व-पहचान लिंग के अनुसार लिंग आधारित शौचालय का उपयोग करना चाहते हैं, वे ऐसा करना जारी रख सकते हैं। डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में, दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर ऐसे 347 पृथक शौचालय हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)ने

एक बयान में कहा, ह्लसुरक्षित स्थान प्रदान करने और ट्रांसजेंडर लोगों से लैंगिक भेदभाव को रोकने के अपने प्रयासों के तहत दिल्ली मेट्रो के जो मौजूदा शौचालय केवल दिव्यांगजनों के लिए थे, उन्हें ट्रांसजेंडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।ह्व इन शौचालयों के पास अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में बोर्ड लगाए गए हैं जिनमें दोनों श्रेणियों के प्रतीक चिह्न - दिव्यांग व्यक्ति और ट्रांसजेंडर अंकित हैं।

किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर बोले राकेश टिकैत, देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है

करनाल। हरियाणा के करनाल में कल पुलिस और किसानों के बीच भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में दोनों ओर से कई लोगों के घायल होने की खबर है। करनाल में हुए लाठीचार्ज को लेकर विपक्ष लगातार हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सरकार को घेर रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत भी लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज जब राकेश टिकैत से इसी मसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है। देश में सरकारी तालिबानों के कमांडर मौजूद है। इन कमांडरो की पहचान करनी

होगी। जिन्होंने आदेश दिया सर फोड़ने का वहीं कमांडर है। इससे पहले राकेश टिकैत ने यह भी कहा था कि मुजफ्फरनगर में होने वाले महापंचायत को मुद्दे से भटकाने के लिए सरकार द्वारा यह षड्यंत्र किया जा रहा है। आपको बता दें कि भाजपा की बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए करनाल की तरफ बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब दस लोग घायल हो गए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य भाजपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। किसानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस की आलोचना की गई और विरोध में कई स्थानों पर सड़कों को जाम किया गया।

किसानों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिया था आश्वासन, लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया: खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में प्रदर्शनकारी किसानों के ऊपर की गई पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया गया था लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया और एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया। शनिवार को भाजपा की एक बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर करनाल की ओर बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर कथित तौर पर पुलिस ने लाठियां बरसायीं जिससे लगभग 10 लोग घायल हो गए। बैठक के बाद शनिवार शाम करनाल में संवाददाताओं से बातचीत में खट्टर ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों ने पहले सरकार को आश्वासन दिया था कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। खट्टर ने कहा, ह्यह्यअगर उन्हें विरोध प्रदर्शन ही करना था तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए था, इस पर किसी को आपत्ति नहीं होती। पहले उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया था। लेकिन अगर वे पुलिस पर पथराव करेंगे, राजमार्ग अवरुद्ध करेंगे तो पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम तो उठाएगी। करनाल में भाजपा की बैठक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राज्य स्तर की बैठक थी और ह्यमैं किसान संगठनों द्वारा इसका विरोध करने

के लिए किए गए आह्वान की निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, किसी भी संगठन के कार्यक्रम का किसी मुद्दे पर या किसी भी कारणवश से विरोध करना तो खुद में ही अलोकतांत्रिक हैं। हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने पहले बताया था कि सिर्फ चार प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि 10 पुलिसकर्मियों को चोट आई। उन्होंने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और उन पर हमला करने की कोशिश की। करनाल पुलिस की महानिरीक्षक ममता सिंह ने कहा, ह्यह्यहमने आंशिक तौर पर बलप्रयोग किया क्योंकि वे राजमार्ग जाम कर रहे थे। पुलिस पर कुछ पथराव भी हुआ। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंशिक तौर पर बल प्रयोग किया गया। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने रविवार को करनाल के एक अस्पताल में जाकर कुछ घायल किसानों से मुलाकात की और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की निंदा की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

इंसानियत पर हमला

काबुल हवाई अड्डे पर हुए धमाकों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। किसी मजहब की बात छोड़ दीजिए, आज इंसानियत शर्मसार है।कैसानिर्मम शासन आया है, डर से लोग भाग रहे हैं और भागते लोगों पर आतंकियों ने हमला किया है। इन धमाकों में करीब सौ लोग मारे गए हैं, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। दो सौ के करीब लोग घायल हुए हैं, जो अब जीवन भर उस दहशत को याद करेंगे, जो उन्हें कथित मजहबी साये में नसीब हुई है। धिक्कार है, ऐसे लोगों पर, जिनमें रत्ती भर भी दया नहीं, जिनकी आंखों का पानी सूख गया है। जो लोग काबुल हवाई अड्डे पर जुटे थे, वे कोई दुश्मन या आतंकवादी नहीं थे। वे डरे हुए लोग हैं, जो जान बचाकर भागने में भलाई समझ रहे हैं, लेकिन उन्हें भागने से रोकने का यह कौन-सा तरीका हुआ? आज अफगानिस्तान की जमीन शर्मसार है, शायद कभी इस जमीन के लोगों को भलमनसाहत के लिए पहचाना जाता था। इनके सीधेपन की दुहाई दी जाती थी। भारत में जिस काबुलीवाले को हम जानते हैं, वह आज काबुल में कहां है? कौन काबुलीवाला रहम की भीख मांग रहा है और कौन काबुलीवाला अपनों के ही खून का प्यासा बन गया है? खैर, काबुल में चल रहे राहत अभियान को झटका लगा है, लेकिन अभियान रुका नहीं है। शोषित काबुलीवालों की वापसी फिर शुरू हो गई है। हमले के एक दिन बाद अमेरिका ने फिर अपने नागरिकों और अधिकारियों को काबुल से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय- सीमा से पहले और हमले की आशंका है। अमेरिका अपनी जुबान का पक्का होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन क्या तालिबान भी अपनी जुबान के पक्के हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भले ही कह दिया हो कि वह एक-एक मौत का बदला लेंगे, लेकिन यह भला कैसे होगा? क्या अमेरिका सीधी लड़ाई के बजाय छद्म लड़ाई के पक्ष में है? अगर ऐसी कोई लड़ाई छिड़ेगी, तो अफगानिस्तान ही तबाह होगा और इसका दुष्प्रभाव दुनिया झेलेगी। जो लोग सीधी लड़ाई में नहीं सुधरे, क्या वे चुन-चुनकर बदला लेने से सुधर जाएंगे? यह गौर करने की बात है कि तालिबान का दुस्साहस बढ़ा ही इसलिए है, क्योंकि अमेरिका लौट रहा है। यह हमला पश्चिमी देशों के लिए बड़ा सबक है, जो आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह ईमानदार नहीं रहे हैं। ईमानदारी होती, तो न तालिबान यूं काबुल पर चढ़ आते और न अमेरिकी सैनिक शहीद होते। अपने देश में लोकतंत्र सुनिश्चित रखना और दूसरे देशों में तानाशाही या ताकत के सामने घुटने टेक देना उदारता नहीं है। ऐसी ही कथित उदारता पाकिस्तान जैसे देशों में आतंकवाद के पालन-पोषण की वजह है। अब अफगानियों को अपनी मिट्टी के प्रति सजग होना चाहिए। जो समूह अभी भी तालिबान से लोहा ले रहे हैं, उनके साथ खड़े होने का वक्त है। अफगानियों को अपना हित देखना चाहिए। ऐसे नेता या राष्ट्रपति की जरूरत नहीं, जो डर के मारे खजाना समेटकर रातोंरात नौ दो ग्यारह हो जाए। यह अफगानी मिट्टी में पैदा बंदूकधारी कायरों को नहीं, बल्कि इंसानियत के प्रति सजग वीरों और उनके संगठनों को सही मायने में मजबूत करने का वक्त है। यह काम अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के लोग घर बैठे कर सकते थे और कर सकते हैं।

अध्यात्म के विराट आकाश में श्रीकृष्ण की चमक

जन्माष्टमी विशेष: - ललित गर्ग

श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत नायक हैं। उनका जन्मोत्सव मानवजाति में उल्लास-उमंग को संचार करने के साथ नवीन मानवता के अभ्युदय का प्रतीक है, क्योंकि उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन-दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। उनकी जीवन-कथा चमत्कारों से भरी है, लेकिन वे हमें जितने करीब लगते हैं, उतना और कोई नहीं। वे ईश्वर हैं पर उससे भी पहले सफल, गुणवान और दिव्य मनुष्य है। ईश्वर होते हुए भी सबसे ज्यादा मानवीय लगते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को मानवीय भावनाओं, इच्छाओं और कलाओं का प्रतीक माना गया है। वे अर्जुन को संसार का रहस्य समझाते हैं, वे कंस का वध करते हैं, लेकिन उनकी छवि एक सखा की है जिसे यमुना के किनारे ग्वाले के साथ शरारत या गोपियों के साथ रास रचाते देखा जाता है। श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकनायक हैं, जो अपनी दैवीय शक्तियों से द्वापर के आसमान पर छा नहीं जाते, बल्कि एक राहत भरे अहसास की तरह पौराणिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में बने रहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण व्यतिव हैं जिनकी तुलना न किसी अवतार से की जा सकती है और न संसार के किसी महापुरुष से। उनके जीवन की प्रत्येक लीला में, प्रत्येक घटना में एक ऐसा विरोधाभास दीखता है जो साधारणतः समझ में नहीं आता है। यही उनके जीवन चरित की विलक्षणता है और यही उनका विलक्षणः जीवन दर्शन भी है। ज्ञानी-ध्यानी जिन्हें खोजते हुए हार जाते हैं, जो न ब्रह्म में मिलते हैं, न पुराणों में और न वेद की ऋचाओं में, वे मिलते हैं ब्रजभूमि की किसी कुंज-निकुंज में राधारानी के पैरों को दबाते हुए- यह श्रीकृष्ण के चरित्र की विलक्षणता ही तो है कि वे अजन्मा होकर भी पृथ्वी पर जन्म लेते हैं। मृत्युंजय होने पर भी मृत्यु का वरण करते हैं। वे सर्वशक्तिमान होने पर भी जन्म लेते हैं कंस के बन्दीगृह में। दरअसल, श्रीकृष्ण में वह सब कुछ है जो मानव में है और मानव में नहीं भी है! वे संपूर्ण हैं, तेजोमय हैं, ब्रह्म हैं, ज्ञान हैं। इसी अमर ज्ञान की बदौलत उनके जीवन प्रसंगों और गीता के आधार पर कई ऐसे नियमों एवं जीवन सूत्रों को प्रतिपादित किया गया है, जो कलयुग में भी लागू होते हैं। जो छल और कपट से भरे इस युग में धर्म के अनुसार किस प्रकार आचरण करना चाहिए, किस प्रकार के व्यवहार से हम दूसरों को नुकसान न पहुंचाते हुए अपना फायदा देखें, इस तरह की सीख देते हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर हमें उनकी शिक्षाओं एवं जीवनसूत्रों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला भी सिखाते है। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युगावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिकाधीश भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। समाज व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। वास्तव में श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व भारतीय इतिहास के लिये ही नहीं, विश्व इतिहास के लिये भी अलौकिक एवम् आकर्षक व्यक्तित्व है और सदा रहेगा। उन्होंने विश्व के मानव मात्र के कल्याण के लिये अपने जन्म से लेकर निर्वाणपर्यन्त अपनी सरस एवं मोहक लीलाओं तथा परम पावन उपदेशों से अन्तः एवं बाह्य दृष्टि द्वारा जो अमूल्य शिक्षण दिया था वह किसी वाणी अथवा लेखनी की वर्णनीय शक्ति एवं मन की कल्पना की सीमा में नहीं आ सकता। महाभारत का युद्ध तो लगातार चलने वाली लड़ाई का चरम था जिसे श्रीकृष्ण ने जन्मते ही शुरू कर दिया था। हर युग का समाज हमारे सामने कुछ सवाल रखता है। श्रीकृष्ण ने उन्हीं सवालों का जवाब दिए और तारनहार बने। आज भी लगभग वही सवाल हमारे सामने मुंह बाए खड़े हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि श्रीकृष्ण के चकाचैंध करने वाले वंदनीय पक्ष की जगह अनुकरणीय पक्ष की ओर ध्यान दिया जाए ताकि फिर इन्हीं जटिलता के चक्रव्यूह से समाज को निकाला जा सके। उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व धार्मिक इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। उनकी संतुलित एवं समरसता की भावना ने उन्हें अनपढ़ ग्वालों, समाज के निचले दर्जे पर रहने वाले लोगों, उपेक्षा के शिकार विकलांगों का प्रिय बनाया। श्रीकृष्ण का चरित्र अत्यन्त दिव्य है । हर कोई उनकी ओर खिंचा चला जाता है । जो सबको अपनी ओर आकर्षित करे, भक्ति का मार्ग प्रशस्त करे, भक्तों के पाप दूर करे, वही श्रीकृष्ण है। वह एक ऐसा आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव सामाजिक समता का उदाहरण है। उन्होंने नगर में जन्म लिया और गाँव में खेलते हुए उनका बचपन व्यतीत हुआ। इस प्रकार उनका चरित्र गाँव व नगर की संस्कृति को जोड़ता है, गरीब को अमीर से जोड़ता है, गो चरक से गीता उपदेशक होना, दुष्ट कंस को मारकर महाराज उग्रसेन को उनका राज्य लौटाना, धनी घराने का होकर गरीब ग्वाल बाल एवं गोपियों के घर जाकर माखन खाना आदि जो लीलाएँ हैं ये सब एक सफल राष्ट्रीय महामानव होने के उदाहरण हैं। कोई भी साधारण मानव श्रीकृष्ण की तरह समाज की प्रत्येक स्थिति को छूकर, सबका प्रिय होकर राष्ट्रोद्धारक बन सकता है। कंस के वीर राक्षसों को पल में मारने वाला अपने प्रिय ग्वालों से पिट जाता है, खेल में हार जाता है। यही है दिव्य प्रेम की स्थापना का उदाहरण । भगवान श्रीकृष्ण की यही लीलाएँ सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रप्रियता का प्रेरक मानदण्ड हैं। अध्यात्म के विराट आकाश में श्रीकृष्ण ही अकेले ऐसे व्यक्ति हैं जो धर्म की परम गहराइयों व ऊँचाइयों पर जाकर भी न तो गम्भीर ही दिखाई देते हैं और न ही उदासीन दीख पड़ते हैं, अपितु पूर्ण रूप से जीवनी शक्ति से भरपूर व्यक्तित्व हैं। श्रीकृष्ण के चरित्र में नृत्य है, गीत है, प्रीति है, समर्पण है, हास्य है, रास है, और है आवश्यकता पड़ने पर युद्ध को भी स्वीकार कर लेने की मानसिकता। धर्म व सत्य की रक्षा के लिए महायुद्ध का उद्घोष है। एक हाथ में बाँसुरी और दूसरे हाथ में सुदर्शन चक्र लेकर महाइतिहास रचने वाला कोई अन्य व्यक्तित्व नहीं हुआ संसार में।

श्रीकृष्ण के चरित्र में कहीं किसी प्रकार का निषेध नहीं है, जीवन के प्रत्येक पल को, प्रत्येक पदार्थ को, प्रत्येक घटना को समग्रता के साथ स्वीकार करने का भाव है। वे प्रेम करते हैं तो पूर्ण रूप से उसमें डूब जाते हैं, मित्रता करते हैं तो उसमें भी पूर्ण निष्ठावान रहते हैं, और जब युद्ध स्वीकार करते हैं तो उसमें भी पूर्ण स्वीकृति होती है। जन्माष्टमी पर हम श्रीकृष्ण को नमन करते हैं जिनके जीवन की रोशनी हमारे जीवन के अंधेरों को हरने वाली है।

'आज के ट्वीट

जिम्मेदारी

मेरी मुलाकात जदुरानी दासी जी से हुई। वह इस्कॉन से जुड़ी हैं, उनकी विशेषता है कि वह भक्ति आर्ट में निपुण हैं। दुनिया के लोग जब आज भारतीय अध्यात्म और दर्शन के बारे में इतना कुछ सोचते हैं तो हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अपनी महान परंपराओं को आगे लेकर जायें: PM @NarendraModi जी

- पियुष गोयल

ज्ञान गंगा

जीवन में सुख

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक व्यक्ति था। उसके पास नौकरी, घर-परिवार, रुपया-पैसा, रिश्तेदार और बच्चे, सभी कुछ था। कहने का सार यह है कि उस व्यक्ति के पास किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। अब जीवन है तो कुछ परेशानियां भी थीं उसके जीवन में, जिनसे हर पल वह जूझता ही रहता था। वह किसी भी तरह अपनी परेशानियों से मुक्ति चाहता था, कि जीवन में सुख-शांति से रह सके। एक बार किसी ने उसे बताया कि नगर की सीमा पर कोई बहुत बड़े संत ठहरे हुए हैं, जिनके पास हर समस्या और प्रश्न का हल है। इतना सुनते ही वह व्यक्ति भागा-भागा संत की कुटिया पर पहुंचा। वहां भीड़ बहुत होने के कारण उसकी बारी आते-आते रात हो गई। उसने संत से पूछा, 'बाबा, मेरे जीवन की परेशानियां कैसे खत्म होंगी? मैं भी सुख-शांति से जीवन जीना चाहता हूं'। संत ने कहा, 'इसका उत्तर मैं कल सुबह दूंगा। तब तक तुम एक काम करो। मेरे साथ जो ऊंटों का रखवाला आया था, वो बीमार हो गया। तुम आज की रात ऊंटों की देखभाल का जिम्मा ले लो। जब ये सभी ऊंट सो जाएं, तब तुम भी सो लेना'। सुबह वह व्यक्ति संत के पास पहुंचा और कहने लगा, 'मैं तो रात भर जगा रहा, सो ही नहीं पाया। कभी कोई ऊंट खड़ा हो जाता, तो कभी कोई। एक को बिठाने का प्रयास करता तो दूसरा खड़ा हो जाता। कई ऊंट तो बैठना ही नहीं चाहते तो कई ऊंट थोड़ी देर में अपने आप बैठ जाते। कुछ ऊंटों ने तो बैठने में बहुत ही समय लिया। मैं तो सारी रात भाग-दौड़ ही करता रहा'। संत ने मुस्कुराहट के साथ कहा, 'यही तुम्हारे कल के प्रश्न का उत्तर है। कल पूरी रात का घटनाक्रम तुम्हारा जीवन है। अगर ऊंटों को परेशानियां मान लिया जाए तो समझना आसान होगा कि जीवन में कभी भी किसी भी क्षण सारी परेशानियां खत्म नहीं हो सकतीं। कुछ-ना-कुछ हमेशा लगा ही रहेगा। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि हम जीवन का आनंद ही ना लें। हमें समस्याओं के बीच रहते हुए भी सुख के पल खोजने होंगे'। संत ने आगे कहा, 'अगर तुम्हारे जीवन में समस्याओं का तांता लगा हुआ है, तो उन्हें सुलझाने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन हर पल उनके पीछे ही नहीं भागना चाहिए। ऊंटों के व्यवहार से तुम जान गए होगे कि कुछ समस्याएं कोशिशों से खत्म हो जाती हैं, तो कुछ अपने आप सुलझ जाती हैं। लेकिन इस बीच कुछ नई समस्याएं भी जन्म लेंगी, जिनका सामना तुम्हें करना ही पड़ेगा और इस तरह जीवन चलता रहेगा'।

किसी राष्ट्र की मजबूती से ही उसका विकास सम्भव

- रंजना मिश्रा

हम आज जो हालात अफगानिस्तान में देख रहे हैं, उसे देख कर यही विचार आता है कि यदि कोई राष्ट्र मजबूत न हो तो उस राष्ट्र के नागरिकों का बैंक बैलेंस, बंगला, गाड़ी, बिजनेस और पढ़ाई-लिखाई उनके किसी काम की नहीं रह जाती। यदि देश आत्मनिर्भर न हो तो नागरिकों की संपत्ति की भी कोई कीमत नहीं रह जाती। अफगानिस्तान की तरह यदि कोई देश दूसरे देशों की मदद पर आश्रित हो, दूसरे देशों की सेना पर आश्रित हो और उसकी सरकार में कड़े फैसले लेने की ताकत ना हो तो ऐसी स्थिति में उस देश के लोगों की ताकत का भी कोई वजूद नहीं रह जाता। मतलब यह है कि यदि किसी देश का नेतृत्व ही कमजोर हो, तो सब कुछ होने के बावजूद संकट की स्थिति में उस देश के नागरिकों को एक दिन अपना सब कुछ छोड़ कर अपने देश से भागना पड़ सकता है। ऐसे और दूसरे देश में शरणार्थी बनकर जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, क्योंकि कमजोर और स्वार्थी नेता देश में संकट की स्थिति आने पर या तो अपने लोगों को छोड़कर भाग जाते हैं या फिर दूसरे देशों के साथ सौदा कर लेते हैं, जैसा कि अफगानिस्तान में हुआ है। अफगानिस्तान के अनुभव बहुत कुछ सिखाते हैं। हमें चुनाव के वक्त वोट देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा चुना हुआ नेता हमारे लिए और हमारे देश के लिए मजबूती से खड़ा रहे। वह कठिन परिस्थितियों में हमें छोड़कर भागे नहीं। हमें जाति, धर्म, मुफ्त की चीजों और किसी पार्टी विशेष के प्रति अपने लगाव के नाम पर वोट नहीं देना चाहिए, बल्कि हमारा वोट हमारे देश को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए। हमें देश का ऐसा नेतृत्व नहीं चुनना चाहिए जो केवल अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए और तुष्टीकरण के लिए काम करे।देश का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो सही दिशा में उठाए गए अपने उचित कदमों से देश का सर्वांगीण विकास कर सके और देश को हर खतरे से बचाने की क्षमता रखता हो। एक भ्रष्टाचारी शासन देश को खोखला कर देता है और अंततः उसका वही परिणाम होता है जो आज अफगानिस्तान का हुआ है। जब नेता सरकारी खजाने को अपना खजाना समझने लगते हैं, जनता का खून चूस-चूस कर खुद को पोषित करने लगते हैं तो न तो उस देश की जनता सुखी रह पाती है और ना ही देश सुरक्षित रह पाता है। किसी देश की सेना भी तभी शक्तिशाली होती है, जब उस देश की सरकार उसे मजबूत बनाने का पूरा प्रयास करे। अच्छी सेना और युद्ध के आधुनिक साजो-सामान होने के बावजूद यह निश्चित नहीं होता कि वह देश सुरक्षित ही रह पाएगा, जब तक कि सेना के प्रत्येक जवान में अपने राष्ट्र के लिए मर मिटने की भावना और देश के शीर्ष नेतृत्व में देश की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्णय लेने की इच्छाशक्ति न हो। जब देश सही हाथों में सुरक्षित रहेगा, तभी उस देश की जनता भी सुरक्षित रह पाएगी अन्यथा हालात बदलते देर नहीं लगती।आज हम देखते हैं कि लोकतांत्रिक देशों में जनता भी लोकतंत्र से मिलने वाली आजादी का गलत फायदा उठाने से नहीं चूकती। यहां तक कि अब तो संविधान का भी गलत इस्तेमाल होने लगा है। बुद्धिजीवी कहे जाने वाले लोग भी, मानवाधिकार के नाम पर आतंकवादियों का पक्ष लेने से पीछे नहीं हटते। अपने निजी स्वार्थ एवं सत्ता की लालच में अनेक स्वार्थी गुट एवं विपक्षी पार्टियों द्वारा सरकार के सही फैसलों का भी जमकर विरोध किया जाता है। विरोध के नाम पर बड़े-बड़े आंदोलन महीनों तक चलते हैं, देश की महत्वपूर्ण सड़कों और हाईवे तक को जाम कर दिया जाता है। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोग सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से भी बाज नहीं आते, वे ये भी नहीं सोचते कि आखिर वो अपने ही देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इसका खामियाजा किसी न किसी रूप में उन्हें ही भुगतना पड़ेगा। विपक्षी दल कुर्सी की लालच में जनता को भड़काते हैं और सत्तारूढ़ दल द्वारा राष्ट्र हित में लिए गए सही फैसलों और कानूनों को भी संसद में पारित नहीं होने देते। इतना ही नहीं, कुर्सी पाने की लालच में वे विदेशों से भी सांठगांठ करने में संकोच नहीं करते। एक राष्ट्र की मजबूती और सुरक्षा राष्ट्र की सरकार के साथ-साथ उसके नागरिकों पर भी निर्भर करती है। इसलिए किसी भी नागरिक को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जो उसके देश के हित में न हो और देश को कमजोर करे। एक अच्छे राष्ट्र के लिए उसके नागरिकों का भ्रष्टाचार मुक्त होना, राष्ट्र भक्त होना और कर्तव्य परायण होना बहुत जरूरी है। जब देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के हितों का ध्यान रखेगा तो राष्ट्र अपने आप ही मजबूत बनता चला जाएगा। किसी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि ही उस राष्ट्र के नागरिकों की असली प्रगति एवं समृद्धि है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेंशनभोगियों की पेंशन को आयकर मुक्त करने की मांग, प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली: पेंशनभोगियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश के वरिष्ठ नागरिकों को राहत के लिए पेंशन को आयकर से मुक्त करने की मांग की है। पेंशनभोगियों के निकाय भारतीय पेंशनभोगी मंच ने इस बारे में 25 अगस्त को प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। पत्र में दलील दी गई है कि जब सांसदों और विधायकों की पेंशन पर कर नहीं लगता है, तो सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन पर आयकर क्यों लेती है। पत्र में कहा गया है कि प्रत्येक सेवानिवृत्त व्यक्ति को पेंशन का भुगतान बरसों तक देश की सेवा के लिए किया जाता है। मंच ने कहा, ''अब सवाल उठता है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर आयकर क्यों लगता है। यह किसी सेवा या कार्य से मिलने वाली आय नहीं है। यदि सांसद और विधायकों की पेंशन करमुक्त है, तो हमारी पेंशन पर कर क्यों लिया जाता है।'' पेंशनभोगी मंच ने 23 जुलाई, 2018 को महाराष्ट्र के शिरडी में अपने पहले अखिल भारतीय सम्मेलन में यह प्रस्ताव दिया था कि पेंशन को आयकर से छूट मिलनी चाहिए। उसके बाद से संगठन द्वारा लगातार यह मुद्दा वित्त मंत्री के साथ भी उठाया गया। पत्र में प्रधानमंत्री से इस मुद्दे को लेकर हस्तक्षेप की अपील की गई है। मंच ने कहा कि उसने इस मुद्दे पर वित्त मंत्री को 23 अगस्त, 2018, 14 दिसंबर, 2018 और 25 फरवरी, 2021 को पत्र लिखा था। मंच ने कहा कि इस मुद्दे पर अभी तक कुछ नहीं किया गया है।

जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई करने से भारत के लिए 11,000 अरब डॉलर के अवसर पैदा होंगे: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, डेलॉयट इकनॉमिक्स इंस्टिट्यूट की एक नयी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को निरंतर जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 50 वर्षों में 35,000 अरब डॉलर की आर्थिक क्षमता के नुकसान को रोकने के लिए इस समय कार्रवाई करनी चाहिए। 'इंडियाज टर्निंग पॉइंटः हाऊ क्लाइमेट एक्शन कैन ड्राइव अवर इकनॉमिक फ्यूचर' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत आर्थिक क्षमता के नुकसान के बजाय कैसे इसी अवधि में, बढ़ते वैश्विक तापमान को सीमित करके और दुनिया का 'डीकार्बनाइजेशन का निर्यात' कर अपनी क्षमता को हासिल करके 11,000 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य प्राप्त कर सकता है। डीकार्बनाइजेशन का मतलब कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम करना होता है। डेलॉइट इंडिया के चेयरपर्सन अतुल धवन ने कहा, हमारे पास जलवायु परिवर्तन के रुख के बदलने की खातिर जरूरी फैसले लेने को 10 वर्ष की छोटी सी अवधि है। कोई भी जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से सुरक्षित नहीं है, लेकिन भारत के लिए यह नेतृत्व करने का और यह दिखाने का अवसर है कि कैसे जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई लागत से जुड़ी नहीं है बल्कि इसका संबंध सतत आर्थिक वृद्धि से है। उन्होंने कहा कि ऐसे में जब भारत 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, विकास को गति देने के लिहाज से ना केवल विदेशी एवं घरेलू निवेश महत्वपूर्ण होंगे, बल्कि देश को अपनी महत्वाकांक्षाओं को जलवायु विकल्पों के साथ जोड़ने के लिए भी इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन को लेकर कोई कार्रवाई ना किए जाने से, इस सदी के अंत तक औसत वैश्विक तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि हो सकती है। इसमें कहा गया है कि इससे लोगों के लिए जीना और काम करना कठिन हो जाएगा, क्योंकि जब समुद्र का स्तर बढ़ता है, फसल की पैदावार गिरती है, बुनियादी ढांचे को नुकसान होता है, और अन्य चुनौतियाँ सामने आती हैं, जिनसे हाल के दशकों में देश द्वारा हासिल की गयी आर्थिक प्रगति एवं समृद्धि खतरे में पड़ जाएगी।

भारत में 2021-22 मे 8,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी टाटा स्टीलः सीईओ

नई दिल्ली:

घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील चालू वित्त वर्ष में अपने भारतीय परिचालन पर 8,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने यह जानकारी दी। नरेंद्रन ने कहा कि यह राशि मुख्य रूप से कलिंगनगर संयंत्र के विस्तार तथा खनन परिचालन और पुनर्चक्रीकरण (रिसाइक्लिंग) कारोबार के विस्तार पर खर्च की जाएगी। उनसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए टाटा स्टील की भारतीय कारोबार की योजनाओं के बारे में पूछा गया था।

उन्होंने कहा कि यह राशि यूरोपीय परिचालन पर किए जाने वाले 3,000 करोड़ रुपए के निवेश के अतिरिक्त होगी। सीईओ ने कहा, ''व्यापक रूप से भारत के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपए रहेगा। नरेंद्रन ने कहा कि इसमें से अच्छी-खासी राशि कलिंगनगर के विस्तार पर खर्च की जाएगी। हम अपने कच्चे माल पर खर्च को भी बढ़ाएंगे क्योंकि कलिंगनगर के विस्तार को समर्थन के लिए हम अपनी लौह अयस्क खनन क्षमता का विस्तार जारी रखेंगे। ऐसे में कलिंगनगर और कच्चे माल पर हमारा खर्च 8,000 करोड़ रुपए रहेगा। टाटा स्टील अपने ओडिशा के कलिंगनगर संयंत्र की क्षमता को 50 लाख टन सालाना बढ़ाकर 80 लाख टन सालाना करने जा रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या टाटा स्टील पुनर्चक्रीकरण कारोबार के लिए बाजार संभावनाएं तलाशेगी और 8,000 करोड़ रुपए में से कुछ इसमें लगाएगी, नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी कबाड़ या स्क्रैप में अलग कारोबारी मॉडल अपनाती है। यह भागीदारी में होता है। उन्होंने कहा, ''हमें जो भी खर्च करने की जरूरत है, वह इसमें होगा लेकिन स्क्रैप में हमारे परिचालन का अलग मॉडल है। भागीदार सुविधाओं की स्थापना करेंगे। वे स्थापना करेंगे, हम गुणवत्ता का प्रबंधन करेंगे और इस्पात बेचेंगे। यह भागीदारी मॉडल में होगा।''

जून में कोयला आयात 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इस साल जून में देश का कोयला आयात 50 प्रतिशत बढ़कर 1.87 करोड़ टन हो गया है। एक ईकामर्स कंपनी से यह जानकारी मिली। पिछले साल जून में भारत का कोयला आयात 1.25 करोड़ टन रहा था। ईकामर्स कंपनी के मुताबिक जून में कोयला आयात 1.87 करोड़ टन रहा। समीक्षाधीन महीने में कोयले का आयात जून, 2020 की तुलना में 50.05 प्रतिशत बढ़ा है। जून, 2020 में देश का कोयला आयात 1.25 करोड़ टन रहा था। जून में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहें से भारत का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के मई महीने की तुलना में 5.76 प्रतिशत घट गया। जून में कोयले के आयात में उम्मीद के अनुरूप मामूली गिरावट आई। यह रुख मानसून के दौरान जारी रहने की संभावना है, क्योंकि कीमतें कई साल के उच्चस्तर पर बनी हुई हैं। जून में कुल कोयला आयात में नॉन-कोकिंग कोल का हिस्सा 1.30 करोड़ टन रहा। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 82.8 लाख टन रहा था। वहीं इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 24.6 लाख टन से बढ़कर 40.6 लाख टन पर पहुंच गया। अप्रैल-जून, 2021 के दौरान कुल कोयला आयात पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से करीब 32.13 प्रतिशत बढ़कर 6.09 करोड़ टन पर पहुंच गया।

हरमन ने भारत में नया स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन किया लॉन्च

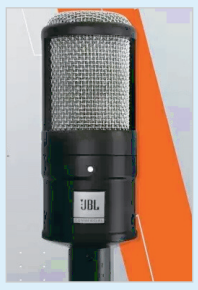

बेंगलुरु। हरमन प्रोफेशनल सॉल्यूशंस ने भारत में एक नया जेबीएल कमर्शियल सीएसएसएम100 स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन लॉन्च किया है, जो फ्लिपकार्ट पर 4,999 रुपये में उपलब्ध है।यह नया स्टूडियो माइक्रोफोन सभी समाधानों के लिए एक आकार-फिट है, चाहे वह पेशेवरों, अभियोजकों या शौकिया लोगों के लिए ही क्यों ना हो। यह दर्शकों को पूरी तरह से आनंद लेने के लिए बेजोड़ ध्वनि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्रिस्टल स्पष्ट और बिना विकृत ध्वनि प्रदान करता है। भारत और सार्क में हरमन प्रोफेशनल सॉल्यूशंस के वरिष्ठ निदेशक, बिक्री और विपणन, आदित्य टोडी ने एक बयान में कहा, उद्योग में सामग्री निर्माण और खपत में वृद्धि देखी जा रही है, जिसने घर में और छोटे स्टूडियो सेटअप को जन्म दिया है। टोडी ने कहा,स्टूडियो कंडेनसर माइक्रोफोन की यह किफायती रेंज आने वाले गायकों, वाद्ययंत्र बजाने वालों, सार्वजनिक वक्ताओं या गुणवत्ता वाले मजबूत माइक्रोफोन की तलाश करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए ऑडियो डिवाइस है। माइक्रोफोन को वोकल और इंस्ट्रूमेंट साउंड दोनों के लिए ऑडियो इनपुट के लिए डिजाइन किया गया है। जेबीएल सीएसएसएम100 एक उच्च-संवेदनशीलता वाला माइक्रोफोन है जो स्टूडियो रिकॉर्डिंग और ऑन-स्टेज प्रदर्शन दोनों के लिए उपयुक्त है। स्पष्ट आवाज और उपकरण रिकॉर्डिंग के लिए, माइक्रोफोन में एक उच्च हेडरूम के साथ व्यापक आवृत्ति प्रतिक्रिया होती है, जो किसी भी विकृति को कम करती है। 3-पिन एक्सएलआर कनेक्टर और स्टैंड एडेप्टर जैसी सुविधाजनक सुविधाओं के साथ, जेबीएल सीएसएसएम 100 एक कार्यात्मक, उपयोग में आसान माइक्रोफोन साबित होता है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,90,032.06 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) तथा विप्रो के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं इन्फोसिस और एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 60,183.57 करोड़ रुपए बढ़कर 13,76,102.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में टीसीएस ही रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 51,064.22 करोड़ रुपए बढ़कर 14,11,635.50 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 19,651.18 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 8,57,407.68 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का 18,518.27 करोड़ रुपए के उछाल से 4,20,300.85 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 14,215.01 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,29,231.64 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक की 13,361.63 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,84,858.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। समीक्षाधीन सप्ताह में विप्रो का बाजार मूल्यांकन 8,218.89 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 3,47,851 करोड़ रुपए पर और एसबीआई का 4,819.29 करोड़ रुपए की छलांग के साथ 3,68,006.36 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,053.22 करोड़ रुपए घटकर 7,24,701.90 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 738.75 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,90,991.24 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और विप्रो का स्थान रहा।

लद्दाख में, एयर बीएनबी और एसईडब्ल्यूए होस्ट एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करेंगे

नई दिल्ली।

एयर बीएनबी हम सब एक (हम एक हैं) पहल के तहत होम शेयरिंग, हॉस्पिटैलिटी, गुणवत्ता मानकों और जिम्मेदार होस्टिंग प्रथाओं पर सेल्फ एम्प्लॉयड वूमेन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सेवा) के सदस्यों को प्रशिक्षित करेगा, जबकि डिजिटल समावेश को बढ़ावा देगा और महिला मेजबानों को कनेक्ट करने में सक्षम करेगा। साथ में वे ज्यादातर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली 15 लाख स्व-रोजगार महिलाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे, और अब एयरबीएनबी ने प्लेटफॉर्म पर मेजबान के रूप में लद्दाख से सेवा सदस्यों को ऑनबोर्ड करने के लिए अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। यह साझेदारी ग्रामीण लद्दाख में महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों का विस्तार करेगी और पर्यटन के पुनर्निर्माण के व्यापक प्रयासों का हिस्सा बनेगी जिससे समुदायों के लिए सकारात्मक परिणाम मिले। लद्दाख संस्कृति और पारिस्थितिक पर्यटन के लिए एक प्राचीन और अद्वितीय केंद्र के रूप में जाना जाता है। लद्दाख में एसईडब्ल्यूए होस्ट लेह लद्दाख के प्राचीन गांव पेयांग में एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करेगा। ये मेजबान नई स्थापित सौर रोशनी जैसी सुविधाओं के साथ आवास के माध्यम से ऊर्जा दक्षता और जिम्मेदार संसाधन उपयोग के मार्ग का नेतृत्व करेंगे। महिलाएं भारत में एयरबीएनबी के मेजबान समुदाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस साल 11 अगस्त तक, भारत में एक सूची के साथ नई महिला मेजबानों ने महामारी की शुरूआत के बाद से लगभग 30 मिलियन रुपये कमाए हैं और महिलाएं हमारे पूरे भारतीय मेजबान समुदाय का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं। होम शेयरिंग के माध्यम से, महिला मेजबान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में सक्षम हैं और कुछ महिला उद्यमियों ने पूर्णकालिक घरेलू मेजबान बनना अपनाया है। इस विस्तारित सहयोग की घोषणा पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित लद्दाख नई शुरूआत, नए लक्ष्य नामक एक संगोष्ठी से की थी। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक रूपिंदर बराड़ ने कहा कि एयरबीएनबी-सेवा साझेदारी इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पर्यटन के लाभ समुदायों की बेहतर सेवा कर सकते हैं और पूरे देश में विशेष रूप से लद्दाख में पर्यटन के पुनर्निर्माण में मदद कर सकते हैं। यह क्षेत्र घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण है, और ये साझेदारी न केवल पर्यटन के अनुभवों को समृद्ध करती है, बल्कि एयरबीएनबी जैसे प्लेटफार्मों की मदद से समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है।

भारती एयरटेल राइट्स इश्यू के जरिए 21,000 करोड़ रुपये जुटाएगी

नई दिल्ली। प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू के जरिए 21,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दे दी है। निर्गम मूल्य 535 रुपये प्रति पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर पर तय किया गया है, जिसमें 530 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम भी शामिल है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा, बोर्ड ने 21,000 रुपये करोड़ तक के इश्यू आकार के रिकॉर्ड तिथि (बाद में अधिसूचित) के अनुसार कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों को अधिकार के आधार पर कंपनी के प्रत्येक 5 रुपये के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी। यह नोट किया गया कि रविवार को हुई बैठक में, बोर्ड ने उद्योग परिदृश्य, कारोबारी माहौल और कंपनी की वित्तीय और व्यावसायिक रणनीति की व्यापक समीक्षा की और कंपनी की और पूंजी जुटाने की योजना को मंजूरी दी। निर्गम मूल्य के भुगतान की शर्तें यह होंगी कि आवेदन पर 25 प्रतिशत और दो अतिरिक्त कॉलों में शेष राशि, जैसा कि बोर्ड या बोर्ड की समिति द्वारा समय-समय पर कंपनी की आवश्यकताओं के आधार पर 36 महीने के समग्र समय-क्षितिज के भीतर तय किया जा सकता है। रिकॉर्ड तिथि के अनुसार, पात्र शेयरधारकों द्वारा धारित प्रत्येक 14 इक्विटी शेयरों के लिए अधिकार पात्रता अनुपात 1 इक्विटी शेयर होगा। इसके अलावा बोर्ड ने जारी करने की अवधि और रिकॉर्ड की तारीख सहित मुद्दे के अन्य नियमों और शर्तों को तय करने के लिए निदेशकों की विशेष समिति का भी गठन किया है।

नकदी संकट से जूझ रही सैंगयोंग नए खरीदार के लिए बोली करेगी शुरू

सियोल।

नकदी की तंगी से जूझ रही कार निर्माता कंपनी सैंगयोंग मोटर कंपनी की योजना सितंबर के मध्य तक अधिग्रहण प्रस्ताव प्राप्त करने की है, क्योंकि दो स्थानीय निवेशकों के बीच दोतरफा प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है। फर्म 15 सितंबर तक संभावित खरीदारों से बोलियां प्राप्त करने की योजना बना रही है। अब तक, देश और विदेश के कुल 11 निवेशकों ने सैंगयोंग को लेने के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख उम्मीदवारों में एसएम ग्रुप है,जिनके व्यवसाय निर्माण से लेकर ऑटो पार्ट्स निर्माण तक हैं, और एडिसन मोटर्स कंपनी, जिसने होमग्रोन इक्विटी फंड, कोरिया कॉरपोरेट गवर्नेंस इम्प्रूवमेंट (केसीजीआई) के साथ मिलकर काम किया है। अप्रैल में,सैंगयोंग को एक दशक पहले इसी प्रक्रिया से गुजरने के बाद दूसरी बार कोर्ट रिसीवरशिप के तहत रखा गया था। यह कदम तब आया जब भारतीय मूल की महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड लंबे समय तक कोविड-19 महामारी और इसकी बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण एक निवेशक को आकर्षित करने में विफल रही। जनवरी से जुलाई तक, इसकी बिक्री पिछले साल की समान अवधि के दौरान 56,846 से 15 प्रतिशत गिरकर 48,229 ऑटो रही। इसके लाइनअप में टिवोली, कोरंडो, रेक्सटन और रेक्सटन स्पोर्ट्स एसयूवी शामिल हैं। चीन स्थित एसएआईसी मोटर कारपोरेशन ने 2004 में सैंगयोंग में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया, लेकिन वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर 2009 में कार निर्माता का अपना नियंत्रण छोड़ दिया। 2011 में, महिंद्रा ने 523 बिलियन वोन के लिए सैंगयोंग में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया और अब एसयूवी-केंद्रित कार निर्माता में 74.65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते है। सैंगयोंग अगले चार वर्षों में अपने व्यापार पोर्टफोलियो में सुधार करने और कम से कम पांच इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल विकसित करने की योजना बना रहा है। कंपनी वर्तमान में अक्टूबर में यूरोपीय बाजार में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन,कोरंडो इमोशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखती है। पिछले महीने, कंपनी ने सियोल से 70 किलोमीटर दक्षिण में प्योंगटेक में अपनी उत्पादन लाइन बेचने का फैसला किया, और ईवीएस के लिए एक नई असेंबली लाइन बनाने के लिए एक नई साइट की तलाश की है।

सैमसंग ने दूसरी तिमाही में भारतीय ईयरवियर बाजार में शीर्ष स्थान खोया

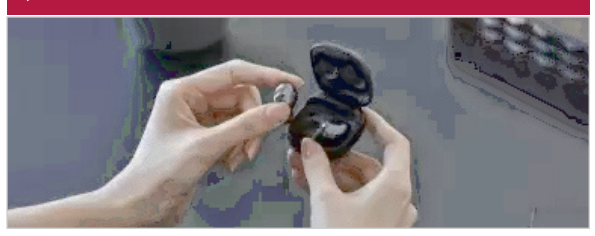

सियोल।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने साल की दूसरी तिमाही में भारत के कान में लगाए जाने वाले डिवाइस बाजार में अपना शीर्ष स्थान खो दिया है। उद्योग शोधकर्ता इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के अनुसार, दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने अप्रैल-जून की अवधि में 7.9 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी दर्ज की, जो एक साल पहले के उनके 30.4 प्रतिशत हिस्से से तेजी से नीचे, भारतीय ईयरवियर बाजार में तीसरे स्थान पर आ गई है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के वायरलेस ईयरबड्स, नेकबैंड और हेडफोन सहित स्मार्ट ईयरवियर उत्पादों की शिपमेंट में साल-दर-साल 44.6 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय उपभोक्ताओं ने घरेलू कंपनियों से डिवाइस खरीदने का विकल्प चुना है। आईडीसी ने कहा, घरेलू ब्रांडों का मजबूत दबदबा है क्योंकि उनकी हिस्सेदारी दूसरी तिमाही 21 में 71.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2020 में सिर्फ 31.2 प्रतिशत थी। भारत स्थित इमेजिन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड का एक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड बोट, दूसरी तिमाही में अपनी बाजार हिस्सेदारी दोगुने से अधिक 45.5 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद प्रमुख खिलाड़ी बन गया, जिसमें ईयर-वॉर्न डिवाइसेस की शिपमेंट में साल-दर-साल 424 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। चीन के बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स कापोर्रेशन के एक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड वनप्लस ने 8.5 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया, जो एक साल पहले 5 प्रतिशत था, इसके शिपमेंट में सालाना 264.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसका हमवतन रियलमी एक साल पहले के 14.3 प्रतिशत की तुलना में 5.5 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया।

भारत में ईयरवियर बाजार दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 113.1 प्रतिशत बढ़कर 9.2 मिलियन यूनिट हो गया और पहनने योग्य उत्पादों में सबसे बड़ी श्रेणी के रूप में बना रहा, जैसा कि आईडीसी के आंकड़ों से पता चलता है।

गूगल ने कथित तौर पर प्ले स्टोर शुल्क पर नेटफ्लिक्स की अनुकूल शर्तों की पेशकश की : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज एप्पल नेटफ्लिक्स की पेशकश करने वाला एकमात्र डिजिटल स्टोरफ्रंट नहीं है। इसने ऐप स्टोर भुगतान प्रणाली का उपयोग करके स्ट्रीमिंग सेवा को बनाए रखने का सौदा किया है,क्योंकि गूगल ने स्पष्ट रूप से एंड्रॉइड-आधारित सदस्यता से कम कटौती की पेशकश की है। एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट,एप्पल के एपिक के साथ परीक्षण के दौरान, यह पता चला था कि एप्पल ने बेहतर शर्तों की पेशकश करके नेटफ्लिक्स को आईओएस ऐप से अपने सब्सक्रिप्शन विकल्प को हटाने से रोकने का प्रयास किया।संभावित क्लास-एक्शन मुकदमे के एक दस्तावेज में दावा किया गया है कि नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफ और टिंडर सहित प्रमुख सेवाएं गूगल प्ले बिलिंग के आसपास जाना चाहती हैं, नेटफ्लिक्स के साथ द वर्ज के अनुसार वैकल्पिक भुगतान प्रणाली का उपयोग करना चाहता है। शिकायत में दावा किया गया है कि वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा को खुश करने के प्रयास में गूगल ने नेटफ्लिक्स को काफी कम राजस्व हिस्सेदारी प्रतिशत लेने की पेशकश की। ऐप्पल के मामले में, एपिक मुकदमे में दस्तावेजों से पता चला

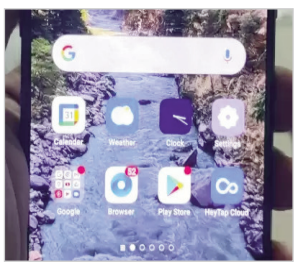

कि ऐप्पल ने नेटफ्लिक्स के साथ बातचीत करने का प्रयास किया, जिसमें ऐप्पल टीवी बंडल, गहन प्रदर्शन डेटा, नेटफ्लिक्स को वीडियो पार्टनर प्रोग्राम में शामिल होने के लिए, ऐप्पल द्वारा ईमेल प्रचार और ऐप्पल स्टोर्स के भीतर प्रचार शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा लगता है कि नेटफ्लिक्स द्वारा गूगल की भुगतान प्रणाली का उपयोग करने के बजाय सीधे एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं से क्रेडिट कार्ड विवरण एकत्र करने के प्रयासों से डेवलपर्स को स्पष्टीकरणकी आवश्यकता होती है, जिन्हें गूगल की लेनदेन सेवा का उपयोग करने के लिए प्ले स्टोर ऐप्स की आवश्यकता होती है। आंतरिक गूगल संचार का हवाला देते हुए, दस्तावेज में कहा गया है कि प्लाई स्टोर 6 प्रतिशत के शुल्क के साथ भी टूट सकता है, और 30 प्रतिशत चार्ज करने के उसके निर्णय का गूगल की नकल करने के अलावा कोई औचित्य नहीं है।

हिमाचल में अडानी ग्रुप ने कम किए सेब के दाम, किसान परेशान

शिमला:

सेब खरीद करने हिमाचल आई अडानी एग्री फ्रेश कंपनी ने बागवानों को झटका दिया है। कंपनी ने जो रेट तय किए हैं, उन्हें सुनकर बागवान नाराज हैं। बीते साल के मुकाबले इस बार प्रतिकिलो के हिसाब से 16 रुपए कम रेट तय किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को सेब खरीद मूल्य सार्वजनिक कर दिए। कंपनी अस्सी से 100 फीसदी रंग वाला एक्स्ट्रा लार्ज सेब 52 रुपए प्रति किलो जबकि लार्ज, मीडियम और स्मॉल सेब 72 रुपए प्रति किलो की दर पर खरीदेगी। बीते साल एक्स्ट्रा लार्ज सेब 68 जबकि लार्ज, मीडियम और स्मॉल सेब 88 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया था। मंडियों के बाद अडानी के रेट भी कम होने से बागवान नाराज हैं। इस सीजन में 60 से 80 फीसदी रंग वाला एक्स्ट्रा लार्ज सेब 37 रुपए किलो जबकि की लार्ज, मीडियम और स्मॉल आकार का सेब 57 रुपए प्रति किलो की कीमत पर खरीदा जाएगा। 60 फीसदी से कम रंग वाले सेब की खरीद 15 रुपए प्रति किलो की कीमत पर होगी। पिछले साल ऐसा सेब 20 रुपए किलो खरीदा गया था। अडानी कंपनी के लिए बागवानों को अपना सेब क्रेटों में अडानी के कलेक्शन सेंटर तक लाना होगा।

कंपनी ने 26 से 29 अगस्त तक के लिए यह रेट जारी किए हैं। 29 अगस्त के बाद रेट में बदलाव किया जाएगा। अडानी के ठियोग के सैंज, रोहड़ू के मेहंदली और रामपुर के बिथल में कलेक्शन सेंटर हैं। अडानी एग्री फ्रेश के टर्मिनल मैनेजर पंकज मिश्रा ने बताया कि मंडियों के मुकाबले अडानी ने अच्छे रेट खोले हैं। मार्केट का फीडबैक लेने के बाद ही रेट तय किए गए हैं। 29 अगस्त के बाद मार्केट की स्थिति के अनुसार भी रेट में बदलाव किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैरालम्पिक (तीरंदाजी) : हार के साथ ज्योति का अभियान समाप्त

टोक्यो। भारत की ज्योति बालियान का यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक के महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी इवेंट में अभियान हार के साथ समाप्त हो गया। ज्योति को 1/16 एलिमिनेशन राउंड में आयरलैंड की केरिए लोउसी लिओनार्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। ज्योति जो रैंकिंग राउंड में 671 स्कोर के साथ 15वें स्थान पर रहीं थी उन्हें लोउसी के हाथों एलिमिनेशन राउंड में 137-141 से हार का सामना करना पड़ा। ज्योति ने पहले राउंड में आठ, 10 और नौ के साथ 27 अंक लिए लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने 26 अंक लिए। दूसरे राउंड में ज्योति ने जहां 25 अंक लिए वहीं लोउसी ने 29 अंक बटोरे। ज्योति ने फिर तीसरे राउंड में 30 का परफेक्ट शॉट लिया और तीनों प्रयास में 10-10 शॉट का स्कोर किया। लेकिन लोउसी ने 29 अंक लिए। ज्योति हालांकि, पेनुलटिमेट राउंड में 29 का स्कोर कर सकीं जबकि लोउसी ने 30 का स्कोर किया। ज्योति अब आज शाम राकेश कुमार के साथ मिक्सड टीम कंपाउंड इवेंट में नजर आएंगी।

भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया में नहीं मिलेगी अभ्यास की अनुमति

बेंगलुरू। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पूर्णकालिक दौरे के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया रवाना हो गई लेकिन वहां कोविड-19 से जुड़े नए दिशानिर्देशों के कारण खिलाड़ियों को ब्रिसबेन पहुंचने पर 14 दिन तक पृथकवास पर रहना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले उम्मीद थी कि खिलाड़ियों को एक सप्ताह के कड़े पृथकवास के बाद अभ्यास का मौका मिलेगा लेकिन अब खिलाड़ियों को 14 दिन होटल के कमरों में रहना पड़ सकता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में पहले सप्ताह के बाद अभ्यास की अनुमति मिलने की संभावना न के बराबर है। कार्यक्रम में आगे बदलाव हो सकता है। खिलाड़ियों के लिये कड़ा पृथकवास मुश्किल होगा लेकिन अभी यही स्थिति है। एक खिलाड़ी ने इसके सकारात्मक पहलू पर गौर किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद मुश्किल होगा लेकिन कम से कम उसके बाद तो हमें खेलने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम पिछले एक सप्ताह से यहां अभ्यास कर रही थी। उन्हें सिडनी जाना था। इसके अलावा दो अन्य स्थल पर्थ और मेलबर्न थे लेकिन बढ़ते मामलों के कारण मैच स्थलों को भी बदल दिया गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया जल्द ही बदले कार्यक्रम की घोषणा करेगा। इसे हालांकि क्वीन्सलैंड सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है क्योंकि सभी मैच अब इसी प्रांत में खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस दौरे में तीन वनडे, एक दिन रात्रि टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलेगी। श्रृंखला की शुरुआत 19 सितंबर के बजाय दो दिन बाद हो सकती है। नए मैच स्थल मैकाय और करारा हैं। भारत की 22 सदस्यीय टीम दुबई के रास्ते सोमवार को ब्रिसबेन पहुंचेगी।

पैरालंपिक (ऊंची कूद)

निषाद ने जीता रजत पदक

टोक्यो।

भारत के पैरा ऊंची कूद एथलीट निषाद कुमार ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी 47 इवेंट में रजत पदक हासिल किया। निषाद ने 2.6 मीटर जम्प के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। निषाद के रजत जीतने के साथ ही भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अपना दूसरा पदक जीता। उनसे पहले आज ही पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने महिला एकल क्लास 4 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया था। हिमाचल प्रदेश के ऊना से आने वाले 21 वर्षीय निषाद ने 1.89 मीटर के साथ शुरुआत की थी। उन्होंने दूसरे प्रयास में 1.94 मीटर और तीसरे प्रयास में 1.98 मीटर का जम्प किया। निषाद का सर्वश्रेष्ठ 2.06 मीटर रहा जो उन्होंने पांचवें प्रयास में किया। निषाद ने बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में ट्रेनिंग की थी और वह अपने पहले पैरालम्पिक खेलों में भाग ले रहे हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में फिजिकल एजुकेशन के छात्र निषाद ने 2009 से पैरा एथलेटिक्स में भाग लेना शुरू किया और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते। निषाद के अलावा इस इवेंट के टी 46 वर्ग का स्वर्ण पदक अमेरिका के टाउनसेंड रोडेरिक ने जीता जिन्होंने 2.15 मीटर के जम्प के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारत के एक अन्य एथलीट राम पाल इस इवेंट में 1.94 मीटर के जम्प के साथ पांचवें स्थान पर रहे। निषाद ने इससे पहले इस साल दुबई में हुए फाजा विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में ऊंची कूद टी 47 वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

पैरालम्पिक (डिस्कस थ्रो) : विनोद कुमार ने जीता कांस्य

टोक्यो। भारत के पैरा एथलीट विनोद कुमार ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक के पुरुष डिस्कस थ्रो एफ52 इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत ने अबतक तीन पदक अपने नाम नाम कर लिए हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पूर्व जवान विनोद ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए 19.91 मीटर का थ्रो कर तीसरा स्थान हासिल किया और देश के लिए कांस्य पदक जीता। विनोद ने अपने पांचवें प्रयास में 19.91 मीटर का थ्रो किया। विनोद से पहले आज ही पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने महिला एकल क्लास 4 इवेंट में रजत और निषाद कुमार ने पुरुष ऊंची कूद टी47 इवेंट में रजत पदक जीता है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर इन पैरा एथलीटों ने देश को पैरालम्पिक में तीन पदक दिलाए हैं।

पैरालम्पिक (टेटे) : भाविना ने जीता रजत, भारत को दिलाया पहला पदक

टोक्यो। भारतीय महिला पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल को यहां चल रहे टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में महिला एकल वर्ग के क्लास 4 इवेंट के फाइनल में चीन की झोउ यिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारत को टोक्यो में अपना पहला पदक मिला। यिंग ने शुरूआत से ही मुकाबले में अपनी पकड़ बनाई रखी। भाविना को पहले गेम में यिंग ने 11-7 से हराया जबकि दूसरे गेम में उन्हें विश्व की नंबर-1 खिलाड़ी के हाथों 11-5 से हार का सामना करना पड़ा। यिंग ने तीसरे गेम को भी आसानी से 11-6 से अपने नाम कर स्वर्ण पदक हासिल किया। विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी भाविना का टोक्यो पैरालम्पिक में सफर शानदार रहा और उन्होंने फाइनल तक का सफर तय करने के लिए 2016 रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण और रजत पदक विजेता को मात दी। पहली बार पैरालम्पिक में शामिल हुई भाविना के रजत पदक जीतने से भारत ने टोक्यो पैरालम्पिक में अपना पहला पदक हासिल किया। भाविना ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही देश के लिए पदक पक्का कर लिया था। उनकी कोशिश स्वर्ण जीतने की थी, हालांकि ऐसा हो नहीं सका। लेकिन भाविना ने रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह पहली भारतीय महिला पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने पैरालम्पिक में इस इवेंट में कोई पदक जीता है। इसके साथ ही भाविना दीपा मलिक के बाद दूसरी महिला एथलीट हैं जिन्होंने पैरालम्पिक में पदक जीता है। भारत ने अबतक पैरालम्पिक में तीन स्पोर्टस में 12 पदक जीते हैं जिनमें एथलेटिक्स (तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य), पावरलिफ्टिंग (एक कांस्य) और तैराकी (एक स्वर्ण) शामिल है। लेकिन टोक्यो पैरालम्पिक में यह भारत का पहल पदक है। भाविना ने 2017 में बीजिंग में हुए अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ एशियाई पैरा टेटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय एथलीट्स पैरालम्पिक में और पदक जीतेंगे : अनुराग

नई दिल्ली। केंद्रिय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल के टोक्यो पैरालम्पिक में रजत पदक जीतने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारतीय एथलीट्स और भी पदक जीतेंगे। अनुराग ने पत्रकारों से कहा, इससे अच्छा क्या हो सकता है कि राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर भाविना ने पैरालम्पिक में रजत पदक जीता। मुझे भरोसा है कि भारतीय एथलीट्स यहां और भी पदक जीतेंगे। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर कहा था, भारत आज राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर रजत पदक की खबर के साथ उठा है। भाविना ने टोक्यो 2020 पैरालम्पिक में भारत के लिए पहला पदक जीता। भाविना पैरा टेटे में रजत जीत पहली भारतीय महिला बनीं एथलीट हैं।

पैरालंपिक : भारतीय टीम को तुर्की से मिली हार, मिक्सड टीम कंपाउंड तीरंदाजी से बाहर

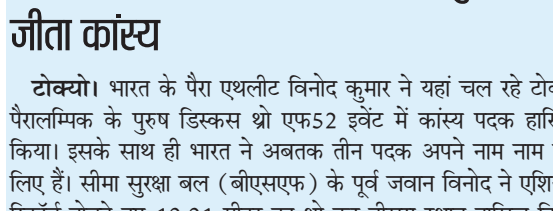

टोक्यो। भारत की ज्योति बालियान और राकेश कुमार की जोड़ी को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के मिक्सड टीम कंपाउंड ओपन तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तुर्की के कुरे ओजनुप और बुलेंट कोर्कमाज की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। ज्योति और राकेश की जोड़ी की जोड़ी को यूमेनोशिमा फाइनल फिल्ड में तुर्की की जोड़ी से 151-153 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी पहले राउंड में 34-37 से पीछे चल रही थी। हालांकि, उन्होंने दूसरा राउंड 39-38 से जीता। दोनों टीमों ने तीसरे राउंड में 39 का स्कोर किया। फाइनल राउंड में जहां भारतीय जोड़ी ने फिर 39 का स्कोर किया तो वहीं तुर्की की जोड़ी ने भी 39 अंक लिए। हालांकि, भारतीय जोड़ी दो अंक पीछे रह गई और उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, ज्योति और राकेश की जोड़ी ने थाईलैंड के प्राफापोर्न होमजांथुएक और एनोन एउंगाफिनान की जोड़ी को 147-141 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। ज्योति और राकेश ने पहले राउंड में थाई जोड़ी के समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद अगले दौर में भारतीय जोड़ी ने 36 अंक लिए लेकिन थाईलैंड की जोड़ी ने 37 अंक लेकर स्कोर 72-71 किया और बढ़त हासिल की। ज्योति और राकेश ने फिर अगले चार एरोव्स से 38 अंक लिए, लेकिन थाईलैंड की जोड़ी 36 अंक ही हासिल कर सकी और भारत ने 109-108 की बढ़त ली। थाईलैंड के प्राफापोर्न और एनोन की जोड़ी ने अंतिम चार एरोव्स से 33 अंक लिए जबकि राकेश और ज्योति की भारतीय जोड़ी ने 38 का शॉट खेल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच, ज्योति का महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी इवेंट में सफर अयारलैंड की केरिए लोउसी लिओनार्ड के हाथों 1/16 एलिमिनेशन राउंड में हारकर खत्म हो गया।

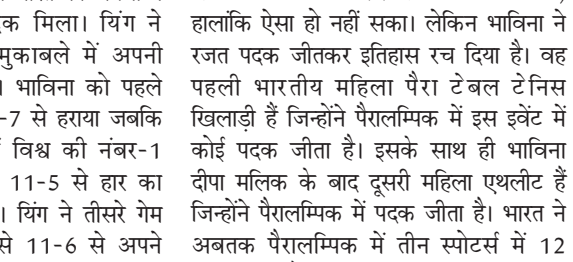

कोहली का विकेट लेना सुखद एहसास : रॉबिंसन

लीड्स। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में सात विकेट लिए थे, उन्होंने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली का विकेट लेना उनके लिए सुखद एहसास रहा। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पारी और 76 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर की थी। रॉबिंसन ने कहा, यह सुखद एहसास रहा और यहां के दर्शक अविश्वनीय है। जब मैंने कोहली का विकेट लिया उस वक्त दर्शकों की तरफ से जो आवाजें आई, वो अभूतपूर्व अनुभव था।उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्ष काफी कठिन रहे और मैंने यहां आने के लिए काफी मेहनत की। अतीत में किए गए नस्लीय ट्वीट के कारण रॉबिंसन को डेब्यू टेस्ट के बाद कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रखा गया था। रॉबिंसन ने कहा, जब आप प्रदर्शन कर रहे होते हैं, तो जांच आपसे थोड़ी दूर होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह मेरी याददाश्त में ताजा नहीं है। यह अभी भी कुछ ऐसा है जिस पर मैं काम करने और खुद को एक बेहतर इंसान बनाने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा, जब से मैं इंग्लैंड की टीम में वापस अया हूं जेम्स एंडरसन मेरे करीबी दोस्त में से एक बन गए हैं। मैं उनसे रोज बात करता हूं और उनसे सीखना चाहता हूं।

आईपीएल 2021 : क्वारंटीन पूरा करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेनिंग शुरू की

दुबई। आईपीएल 2020 की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स ने दुबई में छह दिनों का निर्धारित क्वारंटीन पीरियड पूरा करने के बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी है। टीम के भारतीय खिलाड़ी, सहायक स्टाफ और मैनजमेंट 21 अगस्त को यहां पहुंचे थे। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया के जरिए खिलाड़ियों की दुबई में स्थित आईसीसी अकादमी में ट्रेनिंग करते हुए फोटो पोस्ट की। उन्होंने श्रेयस अय्यर के पिच पर आकर छक्का जड़ने का वीडियो पोस्ट किया। टीम के अन्य खिलाड़ी जैसे अमित मिश्रा, ललित यादव, लुकमान मेरिवाला, रिपल पटेल, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे और सिद्धार्थ मनिमारन भी अभ्यास करते नजर आए। अय्यर कंधे में चोट की वजह से आईपीएल 2021 के पहले चरण में नहीं खेले थे। वह टीम के आने से पहले दो सप्ताह तक सहायक कोच प्रवीण आमरे के साथ अभ्यास कर रहे हैं। दिल्ली की टीम आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर मौजूद है। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से शुरू होगा और दिल्ली अपने अभियान की शुरूआत 22 सितंबर से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ मुकाबले से शुरू करेगा।

ला लीगा : रियल मेड्रिड ने बेटिस को 1-0 से हराया

मेड्रिड। डानी कारवाजल के दूसरे हॉफ में किए गए एकमात्र गोल की मदद से रियल मेड्रिड ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में रियल बेटिस को 1-0 से हराया। रियल मेड्रिड के कोच कार्लो एंकेलोटी ने इस मैच के लिए एकादश में बदलाव किया और चोटिल नाचो फर्नांडेज के बजाए युवा खिलाड़ी मिगुएल को शामिल किया। पहले हॉफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकी और मुकाबला गोल रहित रहा। लेकिन दूसरे हॉफ में रियल मेड्रिड की ओर से डानी ने 61वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बेटिस ने बराबरी करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं होने के कारण रियल मेड्रिड ने यह मुकाबला जीता। इस बीच, बिलबाओ एथलेटिक क्लब ने भी केल्टा विगो को 1-0 से हराया। बिलबाओ की ओर से इनाकी विलियम्स ने 34वें मिनट में गोल किया। लेकिन केल्टा की टीम कोई गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद ने भी लेवांटे को 1-0 की हराया। रियल सोसिएदाद के लिए आंदेर बारेनएतक्सा ने मैच का एकमात्र गोल किया।

रोहित चमोली ने एशियाई जूनियर बॉक्सिंग

नई दिल्ली। रोहित चमोली ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया के ओटगोनबयार तुवशिंजया को 3-2 से हराकर 2021 एएसबीसी एशियाई जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण दिलाया है। जूनियर लड़कों के 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में खेलते हुए चंडीगढ़ के इस मुक्केबाज ने इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय इवेंट में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा और अपनी प्रतिभा की झलक पेश की। सतर्क शुरूआत करने के बाद, समय पर और सटीक आक्रमण ने रोहित को एक करीबी मुकाबले में अपने मंगोलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बढ़त दिला दी और वह 3-2 से करीबी जीत के स्वर्ण पदक हासिल करने में सफल रहे। गौरव सैनी (70 किग्रा) और भारत जून (प्लस 81 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे। मुस्कान (46 किग्रा), विशु राठी (48 किग्रा), तनु (52 किग्रा), आंचल सैनी (57 किग्रा), निकिता (60 किग्रा), माही राघव (63 किग्रा), रुद्रिका (70 किग्रा), प्रांजल यादव (75 किग्रा), संजना (81 किग्रा) और कीर्ति (प्लस 81 किग्रा) देश की 10 मुक्केबाज हैं, जो लड़कियों के फाइनल में भाग लेंगी। भारत जूनियर स्पर्धा में पहले ही छह कांस्य पदक जीत चुका है, जिसमें देविका घोरपड़े (50 किग्रा), आरजू (54 किग्रा) और सुप्रिया रावत (66 किग्रा) लड़कियों के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि आशीष (54 किग्रा), अंशुल (57 किग्रा) और अंकुश (66 किग्रा) ने लड़कों के वर्ग में कांस्य पदक जीता है। यूएई के फुजैरा में 2019 में आयोजित पिछली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में, भारत 21 पदक (छह स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर रहा था। भारत ने लड़कियों की श्रेणी में 13 पदक (चार स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य) जबकि लड़कों के वर्ग (दो स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य) में आठ पदक जीते थे।

सूर्यकुमार और अश्विन को चौथे टेस्ट में खेलाना चाहिए : वेंगसरकर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में मिली हार के बाद पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर का कहना है कि बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को चौथे टेस्ट में खेलाना चाहिए। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को पारी और 76 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर की। वेंगसरकर ने आईएएनएस से कहा, मेरा मानना है कि हमें सूर्यकुमार को शामिल कर अपनी बल्लेबाजी लाइनअप मजबूत करनी चाहिए। नंबर-6 पॉजिशन पर हमें मजबूत बल्लेबाज चाहिए। वह अच्छी फॉर्म में है और भारत की मदद कर सकते हैं। बहुत देर होने से पहले उन्हें एकादश में शामिल कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि अश्विन को टीम में लेना चाहिए। आप कैसे अश्विन को एकादश से बाहर रख सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में वह अभी हमारे सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। यह कुछ चीजें हैं जिस पर टीम को चौथे टेस्ट से पहले बैठकर चर्चा करनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि किस खिलाड़ी को बाहर रखना चाहिए, इस पर पूर्व कप्तान ने कहा, यह टीम मैनजमेंट पर है कि उन्हें क्या लगता है किसे नहीं खेलना चाहिए। लेकिन मैं यही सलाह दूंगा कि सूर्यकुमार और अश्विन को एकादश में शामिल करना चाहिए। वेंगसरकर ने इंग्लिश गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों को लड़खड़ा दिया। वेंगसरकर ने कहा, हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि इन्होंने शानदार गेंदबाजी की। पहले और दूसरी पारी दोनों में इन्होंने हमारे बल्लेबाजों को पछाड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों मनायी जाती हैं 'कृष्ण जन्माष्टमी'

जन्माष्टमी के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

'जन्माष्टमी' के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

जन्माष्टमी के अवसर पर पुरूष व औरतें उपवास व प्रार्थना करते हैं। मन्दिरों व घरों को सुन्दर ढंग से सजाया जाता है व प्रकाशित किया जाता है। उत्तर प्रदेश के वृन्दावन के मन्दिरों में इस अवसर पर खर्चीले व रंगारंग समारोह आयोजित किए जाते हैं। कृष्ण की जीवन की घटनाओं की याद को ताजा करने व राधा जी के साथ उनके प्रेम का स्मरण करने के लिए रास लीला की जाती है। इस त्यौहार को कृष्णाष्टमी अथवा गोकुलाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

बाल कृष्ण की मूर्ति को आधी रात के समय स्नान कराया जाता है तथा इसे हिन्डौले में रखा जाता है। पूरे उत्तर भारत में इस त्यौहार के उत्सव के दौरान भजन गाए जाते हैं व नृत्य किया जाता है।

मानव जीवन सबसे सुंदर और सर्वोत्तम होता है। मानव जीवन की खुशियों का कुछ ऐसा जलवा है कि भगवान भी इस खुशी को महसूस करने समय-समय पर धरती पर आते हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु ने भी समय-समय पर मानव रूप लेकर इस धरती के सुखों को भोगा है। भगवान विष्णु का ही एक रूप कृष्ण जी का भी है जिन्हें लीलाधर और लीलाओं का देवता माना जाता है।

कृष्ण को लोग रास रसिया, लीलाधर, देवकी नंदन, गिरिधर जैसे हजारों नाम से जानते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा बताई गई गीता को हिंदू धर्म के सबसे बड़े ग्रंथ और पथ प्रदर्शक के रूप में माना जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण जी के ही जन्मदिवस के रूप में प्रसिद्ध है।

मान्यता है कि द्वापर युग के अंतिम चरण में भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसी कारण शास्त्रों में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के दिन अर्द्धरात्रि में श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी मनाने का उल्लेख मिलता है। पुराणों में इस दिन व्रत रखने को बेहद अहम बताया गया है। इस साल जन्माष्टमी 10 अगस्त यानी आज है।

कृष्ण जन्म कथा

श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि को रोहिणी नक्षत्र में देवकी व श्रीवसुदेव के पुत्र रूप में हुआ था। कंस ने अपनी मृत्यु के भय से अपनी बहन देवकी और वसुदेव को कारागार में कैद किया हुआ था। कृष्ण जी जन्म के समय घनघोर वर्षा हो रही थी। चारो ओर घना अंधकार छाया हुआ था। भगवान के निर्देशानुसार कुष्ण जी को रात में ही मथुरा के कारागार से गोकुल में नंद बाबा के घर ले जाया गया।

नन्द जी की पत्नी यशोदा को एक कन्या हुई थी। वासुदेव श्रीकृष्ण को यशोदा के पास सुलाकर उस कन्या को अपने साथ ले गए। कंस ने उस कन्या को वासुदेव और देवकी की संतान समझ पटककर मार डालना चाहा लेकिन वह इस कार्य में असफल ही रहा। दैवयोग से वह कन्या जीवित बच गई। इसके बाद श्रीकृष्ण का लालन-पालन यशोदा व नन्द ने किया। जब श्रीकृष्ण जी बड़े हुए तो उन्होंने कंस का वध कर अपने माता-पिता को उसकी कैद से मुक्त कराया।

जन्माष्टमी में हांडी फोड़

श्रीकृष्ण जी का जन्म मात्र एक पूजा अर्चना का विषय नहीं बल्कि एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस उत्सव में भगवान के श्रीविग्रह पर कपूर, हल्दी, दही, घी, तेल, केसर तथा जल आदि चढ़ाने के बाद लोग बड़े हर्षोल्लास के साथ इन वस्तुओं का परस्पर विलेपन और सेवन करते हैं।

महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के दौरान, कृष्ण के द्वारा बचपन में लटके हुए छींकों (मिट्टी की मटकियों), जो कि उसकी पहुंच से दूर होती थीं, से दही व मक्खन चुराने की कोशिशों करने का उल्लासपूर्ण अभिनय किया जाता है। इन वस्तुओं से भरा एक मटका अथवा पात्र जमीन से ऊपर लटका दिया जाता है, तथा युवक व बालक इस तक पहुंचने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं और अन्ततः इसे फोड़ डालते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत के नियम, कैसे करें श्रृंगार, कैसी हो प्रतिमा

भगवान कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को होने के कारण इसको कृष्ण जन्माष्टमी कहते हैं। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को हुआ था, इसलिए जन्माष्टमी के निर्धारण में अष्टमी तिथि का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं।

इस दिन श्रीकृष्ण की पूजा करने से संतान प्राप्ति,आयु और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाकर हर मनोकामना पूरी की जा सकती है। जिन लोगों का चंद्रमा कमजोर हो वे आज विशेष पूजा से लाभ पा सकते हैं। इस बार जन्माष्टमी का संयोग 30 अगस्त 2021 को बन रहा है।

कैसे करें जन्माष्टमी के लिए श्री कृष्ण की मूर्ति का चुनाव?

सामान्यतः जन्माष्टमी पर बाल कृष्ण की स्थापना की जाती है। आप अपनी आवश्यकता और मनोकामना के आधार पर जिस स्वरूप को चाहें स्थापित कर सकते हैं।

प्रेम और दाम्पत्य जीवन के लिए राधा कृष्ण की, संतान के लिए बाल कृष्ण की और सभी मनोकामनाओं के लिए बंशी वाले कृष्ण की स्थापना करें। इस दिन शंख और शालिग्राम की स्थापना भी कर सकते हैं।

क्या होगा श्रृंगार?

श्री कृष्ण के श्रृंगार में फूलों का खूब प्रयोग करें। पीले रंग के वस्त्र, गोपी चन्दन और चन्दन की सुगंध से इनका श्रृंगार करें। काले रंग का प्रयोग न करें। वैजयंती के फूल अगर कृष्ण जी को अर्पित किए जाएं तो सर्वोत्तम होगा। सुंदर दिखने वाली हर सामग्री कान्हा पूजा में प्रयोग करें...

क्या होगा इनका प्रसाद?

पंचामृत जरूर अर्पित करें। उसमे तुलसी दल भी जरूर डालें। मेवा, माखन और मिसरी का भोग भी लगाएं। कहीं-कहीं, धनिये की पंजीरी भी अर्पित की जाती है। पूर्ण सात्विक भोजन जिसमें तमाम तरह के व्यंजन हों, इस दिन श्री कृष्ण को अर्पित किए जाते हैं।

कैसे मनाएं जन्माष्टमी का पर्व?

प्रातःकाल स्नान करके व्रत या पूजा का संकल्प लें। दिन भर जलाहार या फलाहार ग्रहण करें और सात्विक रहें। मध्यरात्रि को भगवान कृष्ण की धातु की प्रतिमा को किसी पात्र में रखें। उस प्रतिमा को पहले दूध, दही, शहद, शर्करा और अंत में घी से स्नान कराएं। इसी को पंचामृत स्नान कहते हैं।

इसके बाद प्रतिमा को जल से स्नान कराएं। तत्पश्चात पीताम्बर, पुष्प और प्रसाद अर्पित करें। ध्यान रखें की अर्पित की जाने वाली चीजें शंख में डालकर ही अर्पित की जाएंगी। पूजा करने वाला व्यक्ति काले या सफेद वस्त्र धारण नहीं करेगा। इसके बाद अपनी मनोकामना के अनुसार मंत्र जाप करें। अंत में प्रसाद ग्रहण करें और वितरण करें।

एक योद्धा के रूप में श्रीकृष्ण

भगवान श्री कृष्ण ने अपनी औपचारिक शिक्षा उज्जैन के संदीपनी आश्रम में मात्र कुछ महीनों में पूरी कर ली थी। जहां उन्होंने 16 विद्या और 64 कलाओं को सीखा था। भगवान श्रीकृष्ण प्रेम में जितने पारंगत थे उतने ही युद्ध में भी पारंगत था। उन्होंने अपने जीवन में कई युद्ध लड़े। आओ जानते हैं उनके युद्ध संबंधी 13 रोचक जानकारी।

1. जनसामान्य में यह भ्रांति स्थापित है कि अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे, परंतु वास्तव में श्रीकृष्ण इस विधा में भी सर्वश्रेष्ठ थे और ऐसा सिद्ध हुआ मद्र राजकुमारी लक्ष्मणा के स्वयंवर में जिसकी प्रतियोगिता द्रौपदी स्वयंवर के ही समान परंतु और कठिन थी। यहां कर्ण व अर्जुन दोंनों असफल हो गए और तब श्री कर्ष्णि ने लक्ष्यवेध कर लक्ष्मणा की इच्छा पूरी की, जो पहले से ही उन्हें अपना पति मान चुकीं थीं।
2. भगवान् श्री कृष्ण के खड्ग का नाम नंदक, गदा का नाम कौमौदकी और शंख का नाम पांचजन्य था जो गुलाबी रंग का था।
3. भगवान् श्री कृष्ण के धनुष का नाम शारंग व मुख्य आयुध चक्र का नाम सुदर्शन था। वह लौकिक, दिव्यास्त्र व देवास्त्र तीनों रूपों में कार्य कर सकता था उसकी बराबरी के विध्वंसक केवल दो अस्त्र और थे पाशुपतास्त्र (शिव, कर्ष्णि और अर्जुन के पास थे) और प्रस्वपास्त्र (शिव, वसुगण, भीष्म और कृष्ण के पास थे)।
4. प्रचलित अनुश्रुतियों के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने मार्शल आर्ट का विकास ब्रज क्षेत्र के वनों में किया था। डांडिया रास का आरंभ भी उन्हीं ने किया था।
5. कलारीपट्टु का प्रथम आचार्य कृष्ण को माना जाता है। इसी कारण नारायणी सेना भारत की सबसे भयंकर प्रहारक सेना बन गई थी। भगवान् श्री कृष्ण ने कलारिपट्टू की नींव रखी जो बाद में बोधिधर्मन से होते हुए आधुनिक मार्शल आर्ट में विकसित हुई।
6. भगवान श्रीकृष्ण के रथ का नाम जैत्र था और उनके सारथी का नाम दारुक/बाहुक था। उनके घोड़ों (अश्वों) के नाम थे शैव्य, सुग्रीव, मेघपुष्प और बलाहक।
7. भगवान् श्री युद्ध कृष्ण ने कई अभियान और युद्धों का संचालन किया था, परंतु इनमे तीन सर्वाधिक भयंकर थे। 1- महाभारत, 2- जरासंध और कालयवन के विरुद्ध 3- नरकासुर के विरुद्ध
8. भगवान् श्री कृष्ण ने केवल 16 वर्ष की आयु में विश्वप्रसिद्ध चाणूर और मुष्टिक जैसे मल्लों का वध किया। मथुरा में दुष्ट रजक के सिर को हथेली के प्रहार से काट दिया।
9. भगवान् श्री कृष्ण ने असम में बाणासुर से युद्ध के समय भगवान शिव से युद्ध के समय माहेश्वर ज्वर के विरुद्ध वैष्णव ज्वर का प्रयोग कर विश्व का प्रथम जीवाणु युद्ध किया था।
10. भगवान् श्री कृष्ण के जीवन का सबसे भयानक द्वंद्व युद्ध सुभद्रा की प्रतिज्ञा के कारण अर्जुन के साथ हुआ था, जिसमें दोनों ने अपने अपने सबसे विनाशक शस्त्र क्रमशः सुदर्शन चक्र और पाशुपतास्त्र निकाल लिए थे। बाद में देवताओं के हस्तक्षेप से दोनों शांत हुए।
11. भगवान श्री कृष्ण की मांसपेशियां मृदु परंतु युद्ध के समय विस्तर्ति हो जातीं थीं, इसलिए सामान्यतः लड़कियों के समान दिखने वाला उनका लावण्यमय शरीर युद्ध के समय अत्यंत कठोर दिखाई देने लगता था ठीक ऐसे ही लक्ष्ण कर्ण व द्रौपदी के शरीर में देखने को मिलते थे।
12. भगवान श्री कृष्ण के शरीर से एक मादक गंध निकलती थी। जिसे युद्ध काल में छुपाने का वे हर समय प्रयत्न करते रहते थे।
13. भगवान कृष्ण ने यूं तो कई असुरों का वध किया जिनमें पूतना, शकटासुर, कालिया, यमुलार्जन, धेनुक, प्रलंब, अरिष्ठ आदि। लेकिन उन्होंने कई युद्ध भी लड़े थे, जैसे चाणुर और मुष्टिक के बाद कंस से युद्ध, जरासंध से युद्ध, कालयवन से युद्ध, शिवजी से युद्ध, अर्जुन से युद्ध, नरकासुर से युद्ध, जामवंतजी से युद्ध, पौंड्रक से युद्ध आदि। उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में भाग तो लिया था परंतु शस्त्र नहीं उठाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

काबुल हवाईअड्डा विस्फोट पीड़ितों में पत्रकार भी शामिल

काबुल, 29 अगस्त (आईएएनएस)। काबुल के हामिद करजई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 26 अगस्त को हुए भीषण विस्फोट में एक महिला टीवी एंकर सहित दो पत्रकार भी शामिल थे। एक स्वतंत्र मीडिया समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान पत्रकार केंद्र (एएफजेसी) ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा, राहा न्यूज एजेंसी के संवाददाता अली रजा अहमदी और जहां-ए-सिहत टीवी चैनल की पूर्व प्रजेंटर नजमा सादेकी हवाईअड्डे पर हुए हमले में मारे गए। पूर्वी हवाई अड्डे के गेट पर हुए आत्मघाती विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों सहित लगभग 200 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए, जब भारी भीड़ निकासी उड़ानों का इंतजार कर रहे थे। पीड़ितों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं और इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह के एक स्थानीय सहयोगी आईएस-के ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान में 100 से अधिक पत्रकार मारे गए हैं, जिससे एशियाई देश पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक बन गया है। रविवार का घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा कहा गया था कि उनके सैन्य कमांडरों ने उन्हें सूचित किया था कि अफगानिस्तान में एक और हमला अगले 24-36 घंटों में होने की संभावना है। पेंटागन के अनुसार, इस हमले का बदला लेने के लिए, अमेरिकी सेना ने 27 अगस्त को नंगरहार प्रांत में आतंकवादी समूह के खिलाफ एक ड्रोन हमला किया, जिसमें दो हाई-प्रोफाइल सदस्य मारे गए और एक अन्य घायल हो गए। काबुल में रविवार तड़के जारी एक नए सुरक्षा अलर्ट में, अमेरिकी विदेश विभाग ने सभी अमेरिकी नागरिकों को विशिष्ट, विश्वसनीय खतरे का हवाला देते हुए काबुल हवाई अड्डे के तीन गेटों को तुरंत छोड़ने और हवाई अड्डे की यात्रा करने से बचने की सलाह दी। हालांकि विभाग ने खतरे की प्रकृति के बारे में खुलासा नहीं किया।

ईरान ने अमेरिका, इजराइल की अवैध धमकियों की निंदा की

तेहरान। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अन्य विकल्पों को अवैध खतरों के रूप में उल्लेख किया है। शामखानी ने शनिवार को ट्वीट किया, नफ्ताली बेनेट और बाइडेन के बीच पहली बैठक हुई। जिसमें ईरान के खिलाफ अन्य विकल्पों का उपयोग करने पर जोर दिया गया, जबकि दूसरे देश के लिए एक अवैध खतरा होने के नाते, उपलब्ध विकल्पों के लिए पारस्परिक प्रतिक्रिया ईरान के इस्लामी गणराज्य के अधिकार को स्थापित करती है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन ने 27 अगस्त को बेनेट के साथ एक बैठक में कहा कि उनका देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ईरान कभी परमाणु हथियार विकसित न करे, यह कहते हुए कि वाशिंगटन कूटनीति को पहले रखेगा। व्हाइट हाउस की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित एक विज्ञप्ति के अनुसार, बेनेट ने कहा कि वह बाइडेन के स्पष्ट शब्दों को सुनकर खुश थे, इस बात पर जोर देते हुए कि यदि कूटनीति काम नहीं करती है तो अन्य विकल्प देखे जाएंगे। आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि 27 अगस्त को, जहरा इरशादी, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन के अंतरिम प्रभारी, ने सुरक्षा परिषद को एक पत्र दिया, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ इजरायल के खतरों की चेतावनी दी गई थी।

अरब लीग प्रमुख ने लेबनान में कैबिनेट बनाने के प्रयासों में तेजी लाने का किया आग्रह

काहिरा, 29 अगस्त (आईएएनएस)। काहिरा स्थित अरब लीग (एएल) के महासचिव अहमद अबुल-घेट ने लेबनान में एक कैबिनेट बनाने के प्रयासों में तेजी लाने का आह्वान किया है, जो आवश्यक सुधारों को तुरंत लागू करेगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को एक बयान में, अबुल-घेट ने जोर देकर कहा कि यह कदम अरब और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को लेबनान को बचाने में प्रभावी ढंग से शामिल होने में सक्षम करेगा। अबुल-घेट ने उल्लेख किया कि उन्होंने लेबनान के प्रधानमंत्री-नाजीब मिकाती की अपील को एएल से लेबनान का समर्थन जारी रखने की अपील प्राप्त की और एक कैबिनेट बनाने में मिकाती की सफलता की कामना की। अरब देश 10 अगस्त, 2020 से बिना कैबिनेट के है, जब कार्यवाहक प्रधानमंत्री हसन दीब ने बेरूत बंदरगाह के विस्फोटों की प्रतिक्रिया में इस्तीफा दे दिया, जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए और हजारों अन्य घायल हो गए थे। साद हरीरी को 22 अक्टूबर, 2020 को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन वह मंत्रियों को लेकर राष्ट्रपति मिशेल औन के साथ अपने मतभेदों को देखते हुए एक नया कैबिनेट बनाने में विफल रहे। लेबनान अपने इतिहास में सबसे खराब आर्थिक और वित्तीय संकट से गुजर रहा है और पिछले एक साल के दौरान राजनीतिक शून्य ने देश के कई संकटों को और खराब करने में योगदान दिया है।

अगर नेता फिर से सब खोलने की योजना पर नहीं टिके तो ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा: कोषाध्यक्ष

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलियाई कोषाध्यक्ष जोश फ्राइडेनबर्ग ने रविवार को चेतावनी दी है कि लंबे समय बाद अगर नेता सब कुछ फिर से खोलने की राष्ट्रीय योजना पर नहीं टिके तो देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में संघीय, राज्य और क्षेत्र की सरकारों ने महामारी से बाहर एक रोडमैप पर हस्ताक्षर किए, जो तब शुरू होगा जब 70 प्रतिशत वयस्क आबादी को पूरी तरह से टीका लगाया जाएगा। हालाँकि, देश के प्रमुख शहरों, कैनबरा, सिडनी और मेलबर्न में हाल के प्रकोपों और तालाबंदी के बीच कुछ राज्य प्रीमियर ने योजना पर संदेह जताया है। जवाब में, फ्राइडेनबर्ग ने कहा कि यह एक हास्यास्पद स्थिति पैदा कर सकता है जहां ऑस्ट्रेलियाई स्वतंत्र रूप से विदेश यात्रा कर सकते हैं लेकिन अंतरराज्यीय नहीं।

काबुल हवाईअड्डे पर अगले 24 से 36 घंटों में आतंकवादी हमला होने की आशंका: बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी कि काबुल हवाईअड्डे पर अगले 24 से 36 घंटों में एक और आतंकवादी हमला होने की ''अत्यधिक आशंका'' है। इसके साथ ही अमेरिका ने अफगानिस्तान के काबुल हवाईअड्डा क्षेत्र में मौजूद अपने सभी नागरिकों से तत्काल इलाका छोड़ने का अनुरोध किया है। अमेरिका ने क्षेत्र में खतरे की खुफिया जानकारी मिलने पर अपने नागरिकों से यह अनुरोध किया। अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की 31 अगस्त की समयसीमा के मद्देनजर कुछ बचे हुए अमेरिकियों और अफगान नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया तेज कर दी है। बाइडन ने शनिवार को कहा, ''जमीनी हालात अत्यधिक खतरनाक बने हुए हैं और हवाईअड्डे पर आतंकवादी हमलों का खतरा अधिक है। हमारे कमांडरों ने मुझे सूचित किया कि अगले 26-36 घंटों में हमला होने की प्रबल आशंका है।''

बाइडन ने उन्हें सैनिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके पास अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं की रक्षा करने के लिए सभी प्राधिकारी, संसाधन और योजनाएं हैं। उन्होंने हवाईअड्डे पर बृहस्पतिवार को हुए हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जारी रखने का भी संकल्प लिया। हवाईअड्डे पर बृहस्पतिवार को आत्मघाती बम हमले में कम से कम 169 अफगान नागरिक और अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए थे। अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट से संबद्ध संगठन इस्लामिक स्टेट-खोरासान प्रांत ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले के जवाब में अमेरिका ने शुक्रवार को पूर्वी अफगानिस्तान में एक ड्रोन हमला किया। पेंटागन ने कहा कि ड्रोन हमले में आईएसआईएस के दो ''हाई प्रोफाइल'' आतंकी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''हमने अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के आतंकवादी समूह के खिलाफ किए हमले पर चर्चा की। मैंने कहा कि हम काबुल में हमारे सैनिकों और निर्दोष नागरिकों पर हमले के लिए जिम्मेदार समूह का पीछा नहीं छोड़ेंगे। यह हमला आखिरी नहीं था। हम इस जघन्य हमले में शामिल लोगों को मार गिराएंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। जब भी कोई अमेरिका को नुकसान पहुंचाने या हमारे सैनिकों पर हमला करने की कोशिश करेगा तो हम जवाब देंगे।'' युद्धग्रस्त देश में अभियान खत्म होने की कगार पर पहुंचने के बीच बाइडन ने कहा कि अमेरिकी सैनिक ''काबुल में अस्थिर स्थिति के बावजूद'' नागरिकों को बाहर निकालना जारी रखेंगे। अफगानिस्तान में तकरीबन 350 अमेरिकी हैं जो देश छोड़ना चाहते हैं, हजारों अफगान नागरिक हैं जिन्होंने 20 साल के युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ काम किया और वे देश से बाहर निकलने की

कोशिश कर रहे हैं। बाइडन ने कहा, ''कल हम सैकड़ों अमेरिकियों समेत 6,800 और लोगों को लेकर आए। आज हमने सेना की वापसी के बाद लोगों को अफगानिस्तान छोड़ने में मदद करने की तैयारियों पर चर्चा की।

बांग्लादेश में भी है तालिबान का कोई अस्तित्व? पड़ोसी देश के गृह मंत्री ने दिया यह जवाब

ढाका। (एजेंसी)।

गृह मंत्री असद-उज़-ज़मां कमाल ने कहा कि बांग्लादेश में तालिबान का कोई अस्तित्व नहीं है और देश में अन्य छोटे कुख्यात संगठन अराजकता पैदा नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस चिंता को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में विद्रोही समूह की जीत मुस्लिम बहुल राष्ट्र में आतंकवादियों को प्रोत्साहित कर सकती है। 'ढाका ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) आयुक्त मोहम्मद शफीक उल इस्लाम ने कहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत बांग्लादेश सहित उपमहाद्वीप में आतंकवाद की एक नई लहर पैदा करेगी, जिसके बाद गृह मंत्री की यह टिप्पणी आई है। सावर में एक सुपरमार्केट के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कमाल ने कहा कि बांग्लादेश में तालिबान और अन्य आतंकवादियों का कोई अस्तित्व नहीं है।

अखबार ने कमाल के हवाले से कहा, 'बांग्लादेश शांतिपूर्ण देश है। अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ गया है और काबुल बांग्लादेश से बहुत दूर स्थित है। लिहाजा बांग्लादेश में इसका कोई असर नहीं होगा।'' मंत्री ने कहा, 'देश में कई छोटे कुख्यात समूह हैं, लेकिन उनमें अराजकता पैदा करने की क्षमता नहीं है।÷ उन्होंने कहा, 'देश में अराजकता फैलाने के लिए कुछ बदमाश अलग-अलग नामों से सामने आ रहे हैं।' बांग्लादेश सरकार ने देश में किसी भी विदेशी आतंकवादी समूह के अस्तित्व से बार-बार इनकार किया है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी की जांच में कुछ भी नहीं निकला

बीजिंग (एजेंसी)।

90 दिनों की जांच के बाद, अमेरिकी खुफिया एजेंसी इस बात का कोई निष्कर्ष नहीं निकाल पायी है कि कोरोनावायरस कहां से आया था। जाहिर है, विज्ञान आधारित कोविड की उत्पत्ति का पता लगाने सेही भविष्य में फैलने वाली किसी महामारी के प्रकोप को रोका जा सकता है, न कि किसी राजनीतिक हेरफेर से।

कोविड-19 कहां से आया? इसकी उत्पत्ति पर सवाल अनुत्तरित है। मई 2021 में, वैज्ञानिकों के निष्कर्षों की प्रतीक्षा करने के बजाय, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को यह निष्कर्ष निकालने के लिए 90 दिनों का समय दिया कि वायरस कहां से आया है। अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट के प्रसार के साथ, मामलों और मौतों की संख्या में वृद्धि जारी है और राहत का कोई संकेत नहीं है। 6 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जो कि बाल्टीमोर की जनसंख्या से भी अधिक है।

अफ्रीकी, अमेरिकी और अन्य अल्पसंख्यक समूह महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अश्वेत और हिस्पैनिक लोग टीकाकरण कराने में पिछड़ जाते हैं। जिन लोगों ने टीके की कम से कम एक खुराक प्राप्त की है, उनमें लगभग दो-तिहाई श्वेत (58 प्रतिशत) हैं। हिस्पैनिक लोगों की संख्या 17 प्रतिशत है, जबकि अश्वेतों की संख्या केवल 10 प्रतिशत है। अपनी सीमा

के भीतर वायरस को नियंत्रित करने में विफल रहते हुए, अमेरिका ने वायरस को अपनी सीमा के बाहर प्रवाहित कर दिया है। मार्च और सितंबर 2020 के बीच, अमेरिका ने लगभग 160,000 अवैध अप्रवासियों को स्वदेश भेजा। निर्वासित होने से पहले उन्हें न तो क्वारंटाइन किया गया, और न ही उनका परीक्षण किया गया।

अमेरिका, जो खुद एक सुपरस्प्रेडर है, बीमारी के लिए बाहरी लोगों को दोष देने की पुरानी चाल चल रहा है। इस बार, उसने ऐसा करने के लिए खुफिया समुदाय को शामिल किया है।

जब डोनाल्ड ट्रम्प सत्ता में थे, तो न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया था कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने लैब-लीक परिकल्पना का समर्थन करने के लिए जासूसी एजेंसियों पर दबाव डाला। अब बारी जो बाइडेन की है। उनका जांच आदेश वॉलस्ट्रीटजर्नल द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आया, जिसमें इस अटकल को हवा दी गई थी कि कोरोना वायरस चीन में वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हो सकता है।

वहीं, अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारी इस संभावना को तेजी से स्वीकार कर रहे हैं कि दुनिया को एक खतरनाक नए वायरस के बारे में पता चलने से पहले ही देश में कम संख्या में कोविड-19 संक्रमण हुआ होगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राजनेताओं ने वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने जैसे वैज्ञानिक मुद्दे का राजनीतिकरण करके एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा को एक प्रमुख शक्ति संघर्ष में बदल दिया है। (अखिल पाराशर, चाइना मीडिया ग्रुप, बीजिंग)

तालिबान के पंजशीर में प्रवेश करने के दावे को मसूद समर्थकों ने नकारा

काबुल/नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान ने कहा कि उनकी सेनाएं बिना किसी प्रतिरोध का सामना किए शनिवार को विभिन्न दिशाओं से पंजशीर प्रांत में दाखिल हुईं। हालांकि, अहमद मसूद के समर्थकों ने इस दावे का खंडन किया है। तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य अनामुल्ला समांगानी के अनुसार, टोलो न्यूज ने बताया, कोई लड़ाई नहीं हुई, लेकिन अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के मुजाहिदीन बिना किसी प्रतिरोध का सामना किए विभिन्न दिशाओं से आगे बढ़े। इस्लामिक अमीरात बलों ने विभिन्न दिशाओं से पंजशीर में प्रवेश किया है।

हालांकि, समांगनी ने कहा कि बातचीत के लिए अभी भी दरवाजा खुला है और शनिवार को अहमद मसूद के एक प्रतिनिधिमंडल ने काबुल में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। दूसरी ओर, मसूद के समर्थकों ने पंजशीर की ओर तालिबान के आगे बढ़ने के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि कोई भी प्रांत में प्रवेश नहीं किया है। रेसिस्टेंस फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मोहम्मद अलमास जाहिद ने कहा, पंजशीर में कोई लड़ाई नहीं है और किसी ने भी प्रांत में प्रवेश नहीं किया है। तालिबान और मसूद प्रतिनिधिमंडल के बीच पहले दौर की वार्ता 25 अगस्त को हुई थी, जिसके दौरान दोनों पक्ष दूसरे दौर की वार्ता तक एक-दूसरे पर हमला नहीं करने पर सहमत हुए थे। जाहिद ने कहा कि दूसरे दौर की वार्ता दो दिनों में होगी लेकिन वार्ता विफल होने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। जाहिद ने कहा, वार्ता की विफलता दोनों पक्षों के लिए भारी परिणाम होगी क्योंकि युद्ध विदेशी हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त करेगा और हस्तक्षेप युद्ध को लम्बा खींच देगा। इस बीच, दो अमेरिकी सीनेटरों ने कहा है कि पंजशीर को एक सुरक्षित क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए और प्रतिरोध मोर्चे के कुछ नेताओं को अमेरिका और अन्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए। हालांकि, काबुल निवासी तालिबान और मसूद समर्थकों के बीच शांति की मांग करते हैं। रिपोटरें से संकेत मिलता है कि पंजशीर की ओर जाने वाले मार्ग को तालिबान ने गुलबहार-जबल सराज इलाके में अवरुद्ध कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सीमा प्रदर्शनों के बाद इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर किया हमला

यरूशलम। (एजेंसी)।

फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली सैनिकों के बीच सीमा के पास हिंसक झड़प होने के कुछ घंटों बाद इजराइल ने रविवार तड़के गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इजराइल सेना ने एक बयान में बताया कि दक्षिणी इज़राइल में आग लगाने वाले गुब्बारों को भेजने और लगातार दूसरे सप्ताह हिंसक विरोध प्रदर्शनों के जवाब में विमानों ने गाजा पट्टी में हमास के आतंकवादी ठिकानों पर बमबारी की।

इजराइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आमने-सामने बैठक कर देश की अपनी यात्रा खत्म करने और इजराइल रवाना होने के लिए विमान में सवार होने से पहले वाशिंगटन में संवाददाताओं से बातचीत की। जून में बेनेट के प्रभार संभालने के बाद से यह उनकी पहली यात्रा थी। उन्होंने हीब्रू में कहा, 'हम गाजा में अपने हितों के हिसाब से काम करेंगे।' बेनेट ने कहा कि उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने में रणनीतिक सहयोग सहित वाशिंगटन की यात्रा के सभी उद्देश्यों को प्राप्त किया।'

शनिवार को, हमास समर्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इजराइल की सीमा पर रात के समय विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें इजराइली सेना की ओर विस्फोटक

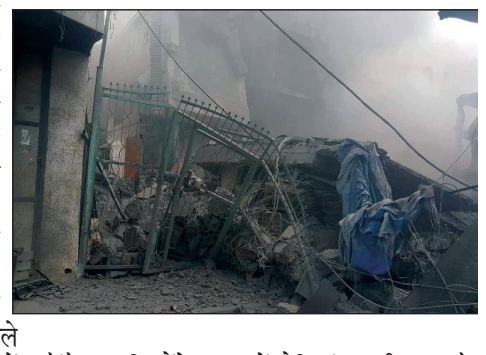

फेंके गए, जिन्होंने जवाब में गोलियां चलाईं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइली गोलीबारी में तीन लोग घायल हुए हैं। सप्ताह के दौरान अतिरिक्त प्रदर्शनों की योजना बनाई गई है। आयोजकों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन इजराइल पर फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी हटाने के लिए दबाव बढ़ाने के लिए हैं।

श्रीलंकाई शरणार्थियों के लिए स्टालिन के कल्याण पैकेज का श्रीलंका के पीएम के बेटे ने किया स्वागत

कोलंबो (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की ओर से श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के लिए कल्याण पैकेज की घोषणा के बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने इस निर्णय का स्वागत किया और शरणार्थियों को घर लौटने के लिए आमंत्रित किया।

27 अगस्त को स्टालिन ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के कल्याण के लिए 317.4 करोड़ रुपये की योजनाओं की घोषणा की थी। तमिलनाडु विधानसभा में एक बयान देते हुए स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार राज्य भर में विभिन्न शिविरों में रह रहे शरणार्थियों के लिए 7,469 घरों का निर्माण करेगी।

इस योजना पर किया गया खर्च 231.54 करोड़ रुपये होगा। घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नमल राजपक्षे ने शनिवार को ट्वीट किया, श्रीलंकाई शरणार्थियों पर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बयान का स्वागत करते हुए, 2009 में युद्ध की समाप्ति के बाद, महिंदा राजपक्षे की सरकार ने उन शरणार्थियों का स्वागत किया जो तमिलनाडु भाग गए थे। आंकड़ों के अनुसार, यूएनएचआरसी सुविधा की मदद से 3,567 परिवार श्रीलंका लौट आए हैं।जो लोग लौट आए हैं और जिन्हें सहायता की आवश्यकता है, उन्हें

घर और आजीविका प्रदान की गई है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और पीएम महिंदा राजपक्षे यह सुनिश्चित करेंगे कि वापस लौटने वाले सभी शरणार्थी अपने वतन में सुरक्षित हों और अपने जीवन को फिर से शुरू कर सकें। स्टालिन ने अपनी घोषणा में यह भी कहा कि पहले चरण में 510 नए घरों के निर्माण के लिए 108.81 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने वादा किया था कि शैक्षिक राहत पैकेज के हिस्से के रूप में, समुदाय के बीच इंजीनियरिंग अध्ययन के लिए चुने गए शीर्ष 50 छात्रों को छात्रवृत्ति के अलावा स्नातकोत्तर छात्रों को छात्रवृत्ति और छात्रावास शुल्क में छूट दी जाएगी। शरणार्थियों के कल्याण को देखने और शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए एक समिति भी गठित की जाएगी। लाभों के बीच, प्रत्येक परिवार को एक स्टोव और एक गैस सिलेंडर मुफ्त और सालाना कम लागत पर सिलेंडर के लिए पांच रिफिल तक मिलेगा। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम और बहुसंख्यक सिंहल सरकार के बीच 26 साल के लंबे जातीय युद्ध के दौरान युद्धग्रस्त उत्तरी प्रायद्वीप से ज्यादातर श्रीलंकाई तमिल भारत भाग गए थे।

तूफान इडा तीव्र हुआ, लूसियाना में पड़ सकता है गंभीर प्रभाव

न्यू ऑर्लीन्स। (एजेंसी)।

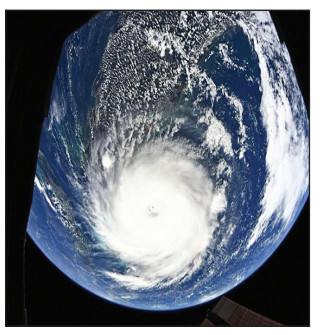

मौसम वैज्ञानिकों ने उत्तरी मेक्सिको खाड़ी तट के आस-पास रहने वाले निवासियों को प्रचंड रूप ले रहे तूफान इडा से पहले तैयारियां तेज करने की चेतावनी दी है। उष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान (हरिकेन) के रविवार को लूसियाना में तट से टकराने पर 130 मील प्रति घंटे जितनी रफ्तार से तेज हवाएं चलने, तूफान का जानलेवा असर और बाढ़ लाने वाली बारिश का प्रकोप देखने को मिल सकता है। 'नेशनल हरिकेन सेंटर' ने आगाह किया है कि खाड़ी के बेहद गर्म जलक्षेत्र इडा की विनाशकारी ताकत को तेजी से और बढ़ा सकते हैं जिससे यह श्रेणी 2 के तूफान से तब्दील होकर महज 18 घंटों के भीतर बेहद खतरनाक श्रेणी चार का तूफान हो जाएगा।

तूफान कैटरीना के मिसिसिपी और लूसियाना तटों को तबाह करने के 16 साल बाद इडा लूसियाना को प्रभावित करने के लिए तैयार है। श्रेणी तीन के तूफान, कैटरीना को 1,800 लोगों की मौत के लिए दोषी ठहराया गया था और न्यू ऑर्लीन्स में भयावह बाढ़ का कारण बना था, जिसे इससे उबरने में वर्षों लग गए थे। लूसियाना के गवर्नर जॉन बेल एडवर्ड्स ने कहा, 'हम 16 साल पहले वाले राज्य नहीं हैं।' उनका इशारा 2005 की आपदा के बाद से हुए बड़े सुधारों की तरफ था। उन्होंने बताया कि 5,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को तलाश एवं बचाव कार्य के लिए तैयार रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अन्नाद्रमुक पर नियंत्रण के लिए सही समय का इंतजार कर रही शशिकला

नई दिल्ली। अन्नाद्रमुक की कभी शक्तिशाली बैकरूम संचालक और दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की भरोसेमंद दोस्त और सिपहसालार वी.के. शशिकला पृष्ठभूमि में इंतजार कर रही है कि वह अन्नाद्रमुक पर कब्जा कर ले, लेकिन अंतिम हमले के लिए उपयुक्त समय की प्रतीक्षा कर रही है। शशिकला, जयललिता के साथ घनिष्ठ संबंध के कारण एआईएडीएमके की राजनीति में अंतिम थीं, अब एआईएडीएमके नेतृत्व द्वारा ठंडे बस्ते में डाल दी गई हैं। यहां तक कि उनके कट्टर समर्थक भी उनसे निजी तौर पर नहीं मिले। इतना ही नहीं, एआईएडीएमके को 2021 के विधानसभा चुनावों में हार का सामना करने के बाद भी उनसे नहीं मिले। ई.के. पलानीस्वामी, जिन्हें शशिकला ने चुना था और ओ. पन्नीरसेल्वम द्वारा उनके खिलाफ विद्रोह करने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था, अब उनके कट्टर विरोधी बन गए हैं और उन्हें रोकने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। उन्हें नई दिल्ली (भाजपा हाईकमान) का भी समर्थन प्राप्त है। जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, उनके मुताबिक शशिकला अब डाउन हैं, लेकिन वह नॉट आउट हैं। एक सामाजिक कार्यकर्ता और मदुरै स्थित एक सामाजिक शोध संस्थान सोशियो इकोनॉमिक फाउंडेशन के प्रबंध ट्रस्टी पद्मनाभन आर. ने आईएएनएस को बताया, शशिकला को एआईएडीएमके नेतृत्व के बीच सभी बैकरूम युद्धाभ्यास और कैसे काम करना है, यह पता है। मुझे यकीन है कि वह पार्टी पर नियंत्रण करने के लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रही है। राजनीति एक लंबा खेल है जिसमें लक्ष्य लंबी अवधि के लिए निर्धारित किए जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 30 सितंबर तक बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारत से आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 30 सितंबर तक बढ़ा दिया है। प्रतिबंध पहले अगस्त के अंत तक बढ़ाया गया था। रविवार को एक परिपत्र में, नागरिक उड्डयन नियामक ने कहा, सक्षम प्राधिकारी ने अनुसूचित अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं के संबंध में ऊपर उल्लिखित विषय पर जारी परिपत्र की वैधता को 30 सितंबर, 2021 तक बढ़ा दिया है। इसमें कहा गया है कि यह प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय ऑल-कार्गो संचालन और डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, मामला-दर-मामला आधार पर नियामक द्वारा चयनित मार्गों पर अंतर्राष्ट्रीय शिड्यूल्ड उड़ानों की अनुमति दी जा सकती है। कोविड महामारी के कारण पिछले साल मार्च में भारत में शिड्यूल्ड अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया गया था। जबकि घरेलू उड़ानें मई 2020 में फिर से शुरू हुईं और धीरे-धीरे बढ़ाई गईं। वहीं प्रतिबंध के लगातार विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय यात्रा निलंबित रही।

श्रीकृष्ण के वेश में आए आगंतुक को ताजमहल में प्रवेश करने से रोका गया

आगरा। 17 वीं शताब्दी के प्रेम स्मारक ताजमहल में सुरक्षा कर्मियों ने जन्माष्टमी उत्सव मनाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के रूप में पूर्ण शाही वैभव में एक आगंतुक को प्रवेश से वंचित कर दिया। ये घटना शनिवार को हुई। जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें दूर भगाया, तो भीड़ ने उनका उत्साहवर्धन किया और उनके द्वारा बांसुरी बजाने के बाद उनके चरित्र की प्रशंसा की। एएसआई के अधिकारियों ने कहा कि झंडे, बैनर या पोस्टर लेकर या आत्म-प्रचार के प्रयास करने वाले लोगों को प्रवेश से इनकार करना सामान्य बात है। अतीत में, ऐसे कई मौके आए हैं जब श्रीराम के दुपट्टे पहनने वाले समूहों को गेट पर रोक दिया गया है, जिससे विवाद हुआ है। इस बीच, स्थानीय पर्यटन हलकों में उत्साह लौट आया क्योंकि लगभग 20,000 लोगों ने ताजमहल का दौरा किया, जो महामारी की दूसरी लहर के बाद सबसे अधिक संख्या थी। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह के लिए लंबी वीकेंड का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में लोग मथुरा और वृंदावन पहुंचे हैं। पर्यटक गाइड वेद गौतम ने कहा, कि रविवार को मौसम सुहावना होने के कारण हमें ताजमहल में बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

भारत में कोरोना वायरस के 45,083 नए मामले, 460 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के 45,083 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,26,95,030 पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार पांचवें दिन वृद्धि दर्ज की गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 460 और मरीजों के संक्रमण के कारण जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,37,830 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,68,558 हो गयी जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.13 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.53 प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 8,783 मामलों की वृद्धि हुई है। देश में शनिवार सुबह तक कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 62.29 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

उत्तराखंड में भारी बारिश जारी, धामी ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा और मुख्यमंत्री पुष्कर? सिंह धामी ने गढ़वाल क्षेत्र के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि धामी ने आज सुबह हेलीकॉप्टर से गढ़वाल मंडल के देवप्रयाग, तोताघाटी, तीनधारा, कौड़ियाला, ऋषिकेश, रानीपोखरी, नरेंद्रनगर, फकोट एवं चंबा के प्रभावित इलाक़ों का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक और राज्य के मुख्य सचिव एस एस संधु भी रहे।

बाद में, रावत ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में बारिश से प्रभावित सड़कों और पुलों का ब्योरा सरकार को भेजें ताकि उनके लिए धन की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में दवाइयों और खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। वहीं, प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने अपने विभाग के अधिकारियों से बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों को ठीक करने तथा यातायात बहाल करने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने को कहा है। उन्होंने लोगों से भी भारी बारिश के दौरान अपने आवागमन को सीमित रखने का आग्रह किया है। प्रदेश के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कुल 107 सड़कें और पुल भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण बंद हैं जिन्हें खोलने का प्रयास जारी है।

विभाग के अनुसार, नरेंद्र नगर में गांव भिन्नू के पास ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क कटाव के के कारण यातायात के लिए बंद है। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग तोताघाटी और पागलनाला सहित आधा दर्जन स्थानों पर भूस्खलन के चलते मलबा और पत्थर गिरने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं, हरबर्टपुर-बडकोट राष्ट्रीय राजमार्ग जूडो के पास भूस्खलन के कारण बंद है। देहरादून-ऋषिकेश मार्ग पर शुक्रवार को टूटे रानीपोखरी पुल पर यातायात अभी बहाल नहीं हो पाया है और रानीपोखरी-भोगपुर-थानों मार्ग के जरिए यातायात को निकाला जा रहा है। इस बीच, प्रदेश के अनेक स्थानों पर लगातार बारिश जारी रही। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ऋषिकेश के निकट जौलीग्रांट में 254 मिमी, सितारगंज में 60 मिमी, कपकोट में 55 मिमी, बनबसा में 53 मिमी, मुनस्यारी में 46 मिमी,नरेंद्रनगर में 40.2 मिमी, भटवाडी में 30 मिमी और गैरसैंण में 27 मिमी वर्षा दर्ज की गयी।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने, बढ़ावा देने का आग्रह किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रविवार को भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बदलते समय के अनुकूल बनाने के लिए नवीन तरीकों के साथ आने का आवाहन किया। यह देखते हुए कि भाषा एक स्थिर अवधारणा नहीं है, उन्होंने भाषाओं को समृद्ध करने के लिए एक गतिशील और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भाषा की जीवित संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक जन आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है। लोगों से अपनी मातृभाषा बोलने में गर्व महसूस करने का आग्रह करते हुए नायडू ने कहा कि दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के प्रयोग में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए। वेधी अरुगु और दक्षिण अफ्रीकी तेलुगु समुदाय (एसएटीसी) द्वारा आयोजित तेलुगु भाषा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को वस्तुतः संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि तेलुगु एक प्राचीन भाषा है जिसमें सैकड़ों वर्षों का समृद्ध साहित्यिक इतिहास है और इसे बढ़ावा देने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर, नायडू ने तेलुगु लेखक और भाषाविद्, गिदुगु वेंकट राममूर्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी जयंती हर साल तेलुगु भाषा दिवस के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने तेलुगु साहित्य को आम लोगों के लिए समझने योग्य बनाने के लिए एक भाषा आंदोलन का नेतृत्व करने के उनके प्रयासों के लिए साहित्यिक आइकन की सराहना की। भारतीय भाषाओं के उपयोग को बचाने और बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों को सूचीबद्ध करते हुए, उपराष्ट्रपति ने प्रशासन में स्थानीय भाषाओं के उपयोग, बच्चों में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने और कस्बों और गांवों में पुस्तकालयों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।

करनाल में किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर बोले राकेश टिकैत, देश में सरकारी तालिबानों का कब्ज़ा हो चुका है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हरियाणा के करनाल में कल पुलिस और किसानों के बीच भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में दोनों ओर से कई लोगों के घायल होने की खबर है। करनाल में हुए लाठीचार्ज को लेकर विपक्ष लगातार हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सरकार को घेर रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत भी लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज जब राकेश टिकैत से इसी मसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है। देश में सरकारी तालिबानों के कमांडर मौजूद है। इन कमांडरो की पहचान करनी होगी। जिन्होंने आदेश दिया सर फोड़ने का वहीं कमांडर है।

इससे पहले राकेश टिकैत ने यह भी कहा था कि मुजफ्फरनगर में होने वाले महापंचायत को मुद्दे से भटकाने के लिए सरकार द्वारा यह षड्यंत्र किया जा रहा है। आपको बता दें कि भाजपा की बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए करनाल की तरफ बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब दस लोग घायल हो गए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य भाजपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। किसानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस की आलोचना की गई और विरोध में कई स्थानों पर सड़कों को जाम किया गया।

भारत विरोधी ताकतें अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं: राजनाथ सिंह

चेन्नई। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि देश की आजादी के बाद से ही भारत विरोधी ताकतें घरेलू स्तर पर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रही हैं। ऊटी के पास वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टाफ कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य शक्ति, व्यापार, संचार, अर्थव्यवस्था और राजनीतिक समीकरण जैसे परिदृश्यों में बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में दुनिया भर में हो रहे इन बदलावों से कोई भी देश अछूता नहीं है। ऐसे में देश की रक्षा तैयारियों को इन बदलावों के अनुपात में या इनसे एक कदम आगे रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''जब से हमारा देश आजाद हुआ है, दुश्मन ताकतों का प्रयास रहा है कि देश के भीतर किसी न किसी माध्यम से अस्थिरता का माहौल पैदा किया जाए। पिछले 75 साल का इतिहास देखें तो हमें चुनौतियां विरासत में मिली हैं।

अन्ना हजारे ने सरकार से पूछा, महाराष्ट्र में क्यों नहीं खोले गए मंदिर?

पुणे। (एजेंसी)।

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने राज्य में मंदिरों को फिर से नहीं खोलने के महाराष्ट्र सरकार के रुख पर सवाल उठाया और कहा कि अगर मंदिरों पर से प्रतिबंध हटाने के लिए आंदोलन किया जाता है तो वह उसे अपना समर्थन देंगे। हजारे ने एमवीए सरकार के मंदिरों को फिर से खोलने से इनकार करने पर सवाल उठाया और इसके लिए उन्होंने शराब की दुकानों के बाहर लगी लंबी कतार की ओर इशारा करते हुए सरकार पर कटाक्ष किया।

अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि गांव में शनिवार को हजारे ने कहा कि मंदिरों को फिर से खोलने की मांग करने वाले कुछ लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, राज्य सरकार मंदिर क्यों नहीं खोल रही है? लोगों के लिए मंदिर खोलने में राज्य सरकार को क्या खतरा दिखता है? अगर कोविड-19 कारण है, तो फिर शराब की दुकानों के बाहर बड़ी कतारें क्यों हैं। 84 वर्षीय हजारे ने कहा कि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को अपने समर्थन का आश्वासन दिया और उनसे कहा कि अगर वे मंदिरों को फिर से खोलने की मांग को लेकर आंदोलन करेंगे तो वह उनके साथ रहेंगे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार ने कोरोना वायरस की स्थिति में सुधार को देखते हुए कई क्षेत्रों को फिर से खोल दिया और पूरी तरह से टीका लगाने वाले लोगों को मुंबई में लोकल ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति दी गई है।

हालाँकि, राज्य सरकार अभी भी कोरोना वायरस के प्रसार के डर से धार्मिक स्थलों को फिर से खोलने से कतरा रही है, खासकर जब महामारी की तीसरी लहर का अनुमान लगाया जा रहा है। विशेष रूप से, विपक्षी भाजपा मांग करती रही है कि लोगों के लिए मंदिर फिर से खोले जाएं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस के 4,831 नए मामले आए और 126 मौतें हुईं, जिससे राज्य में संक्रमण की कुल संख्या 64,52,273 हो गई और मरने वालों की संख्या 1,37,026 हो गई।

मध्यप्रदेश में आदिवासी की हत्या के मामले में दोषियों को सख्त सजा दे सरकार: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मध्यप्रदेश के नीमच जिले में एक आदिवासी की भीड़ द्वारा की गई हत्या के मामले की आलोचना करते हुए सरकार से दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है। बसपा प्रमुख ने रविवार को ट्वीट किया, ''मध्य प्रदेश के नीमच जिले में आदिवासी समुदाय के कन्हैयालाल भील की मामूली बात पर की गई पिटाई एवं फिर गाड़ी से बांधकर घसीटे जाने से उसकी मौत हो गई। भीड़ द्वारा की गई हत्या की दिल दहलाने वाली यह घटना अति-निन्दनीय है।

उन्होंने ट्वीट किया, ''बसपा की मांग है कि सरकार दोषियों को सख्त सजा दे। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के नीमच जिले में आठ लोगों ने 40 वर्षीय एक आदिवासी व्यक्ति की पिटाई कर उसे एक वाहन के पीछे रस्सी से बांध कर कुछ दूरी तक घसीटा। बाद में पीड़ित आदिवासी की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित की पहचान कन्हैयालाल भील के तौर पर की गई है। यह घटना बृहस्पतिवार सुबह पीड़ित और बाइक पर सवार एक दूधवाले के बीच मामूली सड़क दुर्घटना के बाद हुई।

किसानों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिया था आश्वासन, लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया: खट्टर

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

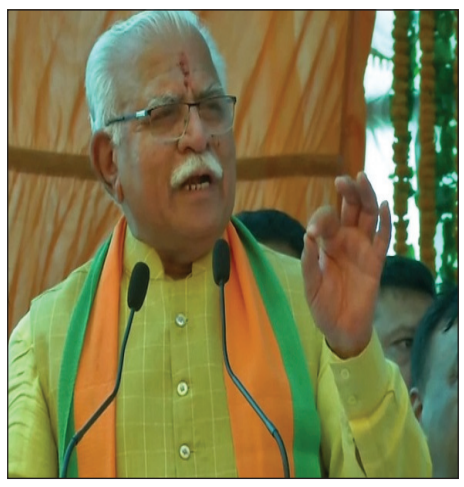

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में प्रदर्शनकारी किसानों के ऊपर की गई पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया गया था लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया और एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया। शनिवार को भाजपा की एक बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर करनाल की ओर बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर कथित तौर पर पुलिस ने लाठियां बरसायीं जिससे लगभग 10 लोग घायल हो गए। बैठक के बाद शनिवार शाम करनाल में संवाददाताओं से बातचीत में खट्टर ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों ने पहले सरकार को आश्वासन दिया था कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। खट्टर ने कहा, ''अगर उन्हें विरोध प्रदर्शन ही करना था तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए था, इस पर किसी को आपत्ति नहीं होती। पहले उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया था। लेकिन अगर वे पुलिस पर पथराव करेंगे, राजमार्ग अवरुद्ध करेंगे तो पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम तो उठाएगी।''

करनाल में भाजपा की बैठक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राज्य स्तर की बैठक थी और 'मैं किसान संगठनों द्वारा इसका विरोध करने के लिए किए गए आह्वान की निंदा करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी संगठन के कार्यक्रम का किसी मुद्दे पर या किसी भी कारणवश से विरोध करना तो खुद में ही अलोकतांत्रिक हैं।'' हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने पहले बताया था कि सिर्फ चार प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि 10 पुलिसकर्मियों को चोट आईं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और उन पर हमला करने की कोशिश की। करनाल पुलिस की महानिरीक्षक ममता सिंह ने कहा, ''हमने आंशिक तौर पर बलप्रयोग किया क्योंकि वे राजमार्ग जाम कर रहे थे। पुलिस पर कुछ पथराव भी हुआ। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंशिक तौर पर बल प्रयोग किया गया।''

इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने रविवार को करनाल के एक अस्पताल में जाकर कुछ घायल किसानों से मुलाकात की और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की निंदा की। टिकैत ने कहा कि करनाल में किसानों पर हमला करने का षड्यंत्र 'ड्यूटी मजिस्ट्रेट के आदेशों से स्पष्ट था, जो पुलिस को किसानों का सिर फोड़ने और उन पर लाठियां बरसाने का आदेश दे रहे हैं।'' टिकैत ने कहा, ''सरकार किसानों की आवाज को दबाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन वह गलतफहमी में है।'' हरियाणा भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि सोमवार को किसान संगठनों की एक बैठक करनाल में आयोजित होगी और कथित लाठीचार्ज के मद्देनजर भविष्य के कदम पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज का विरोध करने के लिए शनिवार शाम तक सड़क जाम करने का आह्वान था और आगे के कदमों के बारे में सोमवार को निर्णय लिया जाएगा।

नवंबर से शुरु होगी अयोध्या में क्रूज सेवा

अयोध्या (एजेंसी)।

दीपोत्सव से पहले अयोध्या में रामायण क्रूज सेवा शुरू होने पर श्रद्धालु और पर्यटक सरयू नदी पर नौकायन कर सकेंगे। अत्याधुनिक लक्जरी क्रूज जहाज अलकनंदा क्रूजलाइन द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसने तीन साल पहले वाराणसी में अलकनंदा क्रूज सेवा शुरू की थी। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार रामायण क्रूज सेवा का संचालन राज्य पर्यटन विभाग के सहयोग से किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि वह सेवा जो पर्यटकों को विलासिता के साथ आध्यात्मिकता के मिश्रण का अनुभव करने में सक्षम बनाएगी। अलकनंदा क्रूजलाइन के निदेशक विकास मालवीय ने कहा कि हम अयोध्या में पवित्र सरयू नदी पर पहली बार लक्जरी क्रूज सेवा - रामायण क्रूज सेवा शुरू करने के लिए बहुत रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य तीर्थयात्रियों को एक यादगार अनुभव देना है। जहाज सरयू पर एक घाट से दूसरे घाट को रवाना होगा। क्रूज में सभी लग्जरी सुविधाएं होंगी। साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सुरक्षा सुविधाओं से लैस होगा। क्रूज के अंदरूनी भाग राम चरित्रमानस की थीम पर आधारित हैं। यात्रियों को घाटों की सुंदरता देखने की अनुमति देने के लिए क्रूज जहाज में बड़ी कांच की खिड़कियां हैं। मालवीय ने कहा कि 90 मिनट की लंबी यात्रा को राम चरित्रमानस यात्रा कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें राम घाट, लक्ष्मण घाट, गुप्तार घाट और सरयू के अन्य घाट शामिल होंगे। पूरी यात्रा लगभग 16 किलोमीटर की होगी। यात्रा के लिए विशेष रूप से भगवान राम के जन्म से लेकर उनके राजा बनने तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक फिल्म बनाई जा रही है। यह फिल्म क्रूज पर सवार पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को दिखाई जाएगी। क्रूज में रामायण के एपिसोड से प्रेरित सेल्फी पॉइंट भी होंगे। रसोई और पेंट्री से लैस क्रूज पोत कोलकाता में बनाया जा रहा है और नवंबर के पहले सप्ताह में अयोध्या पहुंचेगा। इसमें हाइब्रिड इंजन सिस्टम और बायो-टॉयलेट हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सज गई कान्हा की नगरी

हर तरफ चमक रहा श्रीकृष्ण का नाम, बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गाइडलाइन जारी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कृष्ण भक्तों के स्वागत के लिए मथुरा नगरी तैयार है। सभी तिराहे और चौराहे को दुल्हन की तरह सजा दिया गया है। कहीं कान्हा माखन खाते दिखाई दे रहे हैं तो कहीं गोपियों संग खेलते हुए तस्वीर लोगों को आकर्षित कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था। उसका उत्सव जन्माष्टमी के रूप में आज यहां पर मनाया जा रहा है। रंग-बिरंगी कपड़ों की सजावट कान्हा के भक्तों को खूब लुभा रही है। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे से मथुरा आ रहे भक्तों के स्वागत के लिए गोवर्धन चौराहा, भूतेश्वर तिराहा, छटीकरा तिराहे को बिजली की रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया है। मुख्य कार्यक्रम स्थल श्री कृष्ण जन्मस्थान पर सजावट का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही द्वारिकाधीश मन्दिर, वृन्दावन का प्रेम मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, रंगनाथ मन्दिर सभी जगह भव्य सजावट की गई है। श्रद्धालु कान्हा के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए किसी मंदिर में भी जाएं तो उन्हें वहां पर सुखद अनुभूति हो। इस बात का भी ख्याल रखा गया है। 30 अगस्त को कान्हा के जन्म उत्सव में शामिल होने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंच सकते हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा समेत प्रदेश के कई मंत्रियों के भी मथुरा पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनजर बृज तीर्थ विकास परिषद तैयारियां कर रहा है। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताया की श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे शहर को रेड, यलो और ग्रीन जोन में बांटा गया है। यूपी पुलिस के अलावा पैरा मिलट्री फोर्स के जवानों के साथ फ्लड पीएसी, दमकल, डॉग स्क्वायड की भी तैनात रहेगी।

संक्षिप्त डायरी

युवक की गोली मारकर हत्या

फतेहपुर। बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवत शनिवार देर अपने नलकूप पर बैठा हुआ था तभी कुछ बदमाश उसके सीने में गोली मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को घटनास्थल पर एक तमंचा और खोखा मिला है। मामला शाहीपुर मजरे सेमरा मानापुर गांव का है। यहां के रहने वाले अजमेर यादव का 22 वर्षीय पुत्र रिकू यादव सरिया-सीमेंट के रुपये जमा करने कसरांव गांव स्थित एक दुकान तक गए थे। वहां से वह रात में घर लौट रहे थे। रास्ते में अजमेर यादव का निजी नलकूप है। रात नौ बजे करीब रिकू यादव घर जाने की बजाय, निजी नलकूप पहुंच गया। बाइक खड़ी करके वह बगल में बैठ गया, तभी किसी ने उसे गोली मार दी। 315 बोर के तमंचा से मारी गई गोली रिकू के सीने में धंस गई। कुछ देर तक मौके पर तड़पने के बाद उसकी ही मौत हो गई। जब घर वालों को घटना की जानकारी हुई तो सभी रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। गोलीकांड की सूचना पर कांग्रेस नेता शिवाकांत तिवारी ने घर वालों के साथ सवेंदना वक्त की तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। वहीं सूचना के बाद प्रभारी निरीक्षक आदित्य सिंह घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस को शव के नजदीक से ही तमंचा व खोखा मिला है। सीओ अनिल कुमार सिंह का कहना था घटना की सूचना मिली है। पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुटा है। हत्या या फिर हादसा दोनों ही बिदुओं पर जांच की जा रही है। स्वजन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दारोगा और सिपाही की वर्दी पहनकर कर रहे थे चेकिंग, यूट्यूब के लिए बनाते थे वीडियो, दो गिरफ्तार

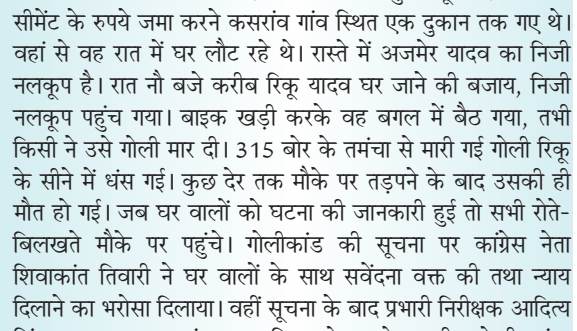

बरेली। कभी-कभी मौज-मस्ती करना भी भारी पड़ जाती है। कुछ लोग फेमस होने की चाह में ऐसा कर जाते हैं कि उन्हें जेल तक जाना पड़ जाता है। ऐसा ही एक मामला यूपी के बरेली से सामने आया है। यहां दो यूट्यूबर यूट्यूब के लिए वीडियो बनाते थे। हर बार कुछ न कुछ अलग करके वीडियो बनाकर यूट्यूब पर फेमस होने के लिए डाल देते थे। शुक्रवार को भी ये युवक कुछ इसी तरह का काम कर रहे थे, लेकिन लोगों को शक होने पर पुलिस को बुला लिया। दोनों युवकों ने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी। एक दारोगा तो दूसरा सिपाही बना था असली पुलिस सामने आती ही दोनों की सिट्टी-बिट्टी गुल हो गई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के ऊपर धोखाधड़ी का मुकदमा भी दर्ज किया गया है। मामला बीते शुक्रवार की देर रात का है। कैंट थाना क्षेत्र के चेत गौटिया का पास दो युवक पुलिस की वर्दी में चेकिंग कर रहे थे, तभी राहगीरों को नकली पुलिस होने का शक हुआ तो उन्होंने तुरंत ही कैंट थाने में सूचना दी। पुलिस ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार लिया। पूछताछ में दरोगा बने युवक की पहचान शिवम यादव निवासी झील गौटिया और सिपाही बने अशोक कुमार की पहचान लालफाटक कैंट के तौर पर हुई। कैंट थाना पुलिस को सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक पुलिस की वर्दी पहनकर आरएन टैगोर इंटर कालेज के पास वाहन चेकिंग कर रहे हैं। एक युवक के कंधे पर एक स्टार और यूपी पुलिस का बैज लगा था। दरोगा बने उक्त युवक ने प्रदीप कुमार सिंह के नाम से नेम प्लेट भी लगा रखी थी। कैंट पुलिस को मामले की जानकारी मिलने दोनों फर्जी पुलिस बने युवकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में युवकों ने बताया कि वह वीडियो बनाकर अपने यूट्यूब चैनल पर डालते हैं। बता दें कि सिपाही की वर्दी पहने अशोक ने अपने आप को एक सीओ का रिश्तेदार बताकर दबाव बनाने की भी कोशिश की। कैंट थाने के इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की वर्दी पहनकर वाहनों के वसूली के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। युवकों के पास पुलिस की दो जोड़ी वर्दी, दो स्टार, चार यूपी पुलिस के बैज सहित अन्य सामान बरामद हुए हैं।

व्यापारियों का हित सपा सरकार में सुरक्षित

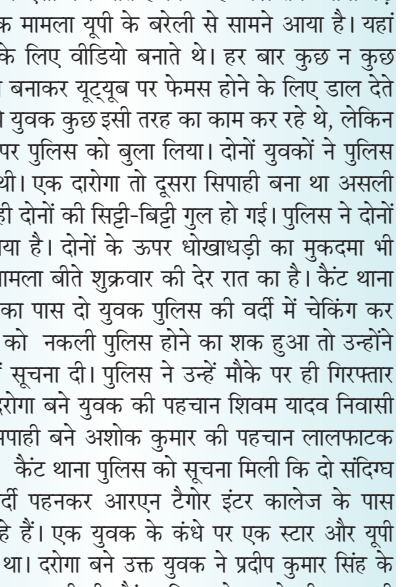

वाराणसी। रविवार को एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने कहा कि सपा की पूर्व सरकार में बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्ग एवं जाति के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के आधार पर ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। व्यापारी हित में धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम को शिथिल करना, चुंगी, तहबाजारी, इंस्पेक्टर राज को समाप्त करना, व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना की शुरूआत की गई। व्यापारियों के सहयोग से 2022 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर व्यापार एवं व्यापारी हित में फिर बड़े निर्णय लिए जायेंगे। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि सरकारी विभागों द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न एवं दोहन के खिलाफ व्यापारियों के हित के लिए जरूरत पड़ी तो वह विधानपरिषद में सवाल उठाएंगे। समाजवादी व्यापार सभा के तत्वावधान में पांडेयपुर-पैगंबरपुर-पंचक्रोशी मार्ग पर स्थित श्री राम पीजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड एजुकेशन में व्यापारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। सपा व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने नारा दिया कि व्यापारियों ने भरी हुंकार, अबकी बार सपा सरकार...। व्यापारियों ने ठाना है, सपा सरकार बनाना है...। प्रदीप जायसवाल ने कहा कि व्यापारियों के सहयोग से 2022 में सपा सरकार आने पर व्यापारी आयोग का गठन, जटिल जीएसटी का सरलीकरण, व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना की राशि 10 लाख से 20 लाख रुपए, ऑनलाइन मार्केटिंग से बर्बाद हो रहे रेहड़ी, पटरी, फुटकर, छोटे, मझौले दुकानदारों की बेहतरी के लिए प्रभावी उपाय किए जाएंगे। व्यापारियों का हित सिर्फ सपा सरकार में ही सुरक्षित है। समारोह के अंत में 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए व्यापारियों ने शपथ पत्र के द्वारा संकल्प लिया। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान, महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, व्यापार सभा के प्रदेश सचिव हृदय गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुरलीधर जायसवाल, मंडल प्रभारी जितेन्द्र सेठ, चरन दास गुप्ता, राजकुमार यादव, राजेश केशरी, रवि जायसवाल, नन्दलाल जायसवाल, कन्हैया लाल गुप्ता, पारस नाथ जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, मीरा सेठ, अजय साहू, आशीष गुप्ता, सुनील कसेरा, अमित अग्रहरी आदि मौजूद थे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में एक की मौत दो गंभीर

कानपुर। चकेरी में निमार्णाधीन मकान के पास से गुजरे हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे लोगों को कांशीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हैलट रेफर कर दिया गया। मृतक के परिजनों ने मुआवजे को लेकर पोस्टमार्टम हाउस में हंगामा किया। संजीव नगर चकेरी निवासी राजकुमार (45) सफीपुर प्रथम इलाके में सुरेश सिंह भदौरिया के निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे थे। उनके साथ उनके साढू अहिरवा निवासी राजेंद्र और उन्नाव निवासी मैकूलाल भी थे। रविवार को मकान की दूसरी मंजिल में प्लास्टर होना था। इसके लिए राजकुमार, मैकूलाल और राजेंद्र मिलकर मकान में लगी होर्डिंग उतार रहे थे। इस दौरान होल्डिंग मकान के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गई। जिससे वह तीनों हाईटेंशन की चपेट में आ गए। हादसे में राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि राजेंद्र और मैकूलाल गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों का हैलट में इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी मधुर मिश्रा ने बताया कि निमार्णाधीन मकान में लापरवाही से हादसा हुआ है। अगर परिजन तहरीर देंगे तो मकान मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सपा की 3% राजभर वोट पर नजर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव आते ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सक्रिय नजर आ रहे हैं। रविवार को राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में स्थित सुखदेव राजभर के आवास पर सपा प्रमुख उनका हालचाल लेने गए थे। लंबे समय से बीमार चल रहे हैं सुखदेव राजभर के घर पहुंचकर सेहत के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री ने जानकारी ली। पूर्वांचल के आजमगढ़ जिले के दीदारगंज से बसपा विधायक सुखदेव राजभर से उनके घर जाकर मुलाकात की। अखिलेश यादव मौजूदा समय में आजमगढ़ से सांसद भी हैं। अस्वस्थ होने के बाद अखिलेश के समर्थन में राजभर लिख चुके हैं पत्र बीएसपी विधायक सुखदेव राजभर पत्र लिखकर अखिलेश का समर्थन कर चुके हैं। राजभर विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं और अभी बसपा के विधायक हैं। सुखदेव राजभर पत्र लिखकर अखिलेश यादव का समर्थन कर चुके हैं। उनके सपा में शामिल होने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इससे पहले राजभर ने बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा मुखिया अखिलेश यादव के नाम लिखे भावुक पत्र में कहा कि मैं बीमार हूं, इसीलिए सक्रिय राजनीति से अलग हो रहा हूं।जाते-जाते उन्होंने बसपा को मिशन से भटकी हुई पार्टी बताया था।अखिलेश यादव की तारीफ की और बेटे कमलाकांत राजभर के समाजवादी पार्टी में जाने के फैसले को सही बताया है। स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय न होने का जिक्र करते हुए सुखदेव ने अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का भविष्य बताते हुए दलितों, पिछड़ों व राजभर समाज की सेवा के लिए खुद के बेटे कमलाकांत को उनके हवाले करने की घोषणा की थी। कौन हैं सुखदेव राजभर सुखदेव राजभर बसपा के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विधायक के रूप में पांच कार्यकालों के लिए अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने लालगंज के विधायक के रूप में तीन कार्यकाल और दीदारगंज में दो कार्यकालों तक कार्य किया। वे वर्तमान में दीदारगंज के विधायक के रूप में कार्य करते हैं। वे 2007-2012 तक मायावती के शासन में उत्तर प्रदेश विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। वे मायावती, कल्याण सिंह और मुलायम सिंह यादव की कैबिनेट में मंत्री भी रह चुके हैं। 2017 वे समाजवादी पार्टी के आदिल शेख को 3,645 वोटों के अंतर से हराकर उत्तर प्रदेश की 17 वीं विधानसभा के सदस्य हैं। ड्ड 2012 वे दीदारगंज निर्वाचन क्षेत्र से 2227 वोटों के अंतर से सपा के आदिल शेख के खिलाफ

शहादत के सम्मान के लिए अभियान

वाराणसी में शहीद विशाल की प्रतिमा स्थापित करने की मांग, कांग्रेसियों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

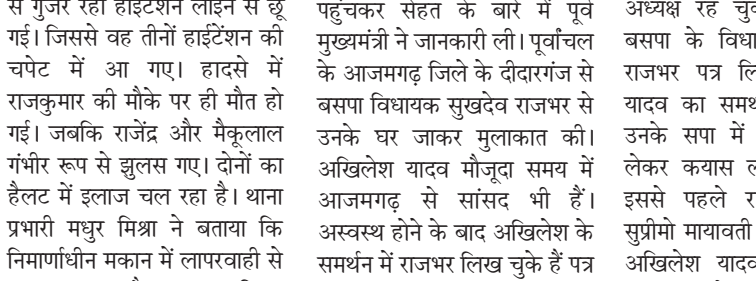

वाराणसी। जम्मू-कश्मीर में ढाई साल पहले हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हुए विशाल पांडेय की प्रतिमा स्थापित कराने के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से रविवार को अस्सी चौराहे पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब तक शहीद की प्रतिमा सांस्कृतिक संकुल में स्थापित नहीं हो जाती, उनकी गली में प्रवेश द्वार नहीं बन जाता और उनके नाम पर उनकी गली का नामकरण का नहीं किया जाता, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। कांग्रेस ने यह संकल्प लिया है कि काशीवासियों की मदद से शहीद विशाल पांडेय को सम्मान दिला कर ही रहेगी। 15 दिवसीय अभियान के दूसरे दिन अस्सी चौराहे पर वरिष्ठ कांग्रेसी लालजी तिवारी ने हस्ताक्षर कर कार्यक्रम शुरू किया। अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने की। अभियान का संयोजन महानगर सचिव विकास दुबे व महानगर सचिव लालजी यादव ने किया। संचालन युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव चंचल शर्मा ने किया। राघवेंद्र चौबे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शहीद हुए मां भारती के वीर सपूत और काशी के लाल विशाल पांडेय की शहादत को ढाई साल बीत गए। प्रदेश सरकार के 3 मंत्री बनारस में ही रहते हैं। इसके बावजूद शहीद के सम्मान में किया हुआ वादा प्रदेश सरकार ढाई साल बाद भी नहीं पूरा कर सकी। आखिरकार प्रदेश सरकार को शहीद का मान रखने में क्या दिक्कत आ रही है। कांग्रेसियों ने कहा कि हम काशीवासी शहीद के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे है। यह अभियान आगे जाकर जन आंदोलन में तब्दील होगा। शहीद के सम्मान में कांग्रेसजन लगातार सड़को पर संघर्षरत हैं। सरकार स्पष्ट करे कि अगर वह सक्षम नही है तो साफ-साफ बताए। हम कांग्रेसजन काशीवासियों से उनकी क्षमतानुसार अंशदान एकत्रित करके शहीद के सम्मान में उनकी प्रतिमा स्थापित कर प्रवेश द्वार बनवाएंगे। भाजपा सरकार लगातार शहीदों का अपमान कर रही है। हस्ताक्षर अभियान में ओमप्रकाश ओझा, शैलेन्द्र सिंह, फसाहत हुसैन बाबू, गौरव कपूर, पूर्व पार्षद गोविंद शर्मा, रवि मिश्रा, मीरा तिवारी, पार्षद डॉ. अख्तर अली, स्वालेह अंसारी, डॉ. राजेश गुप्ता, मनोज शर्मा, शमशाद खान उर्फ पप्पू सहित कांग्रेस पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि 30 अगस्त को आराजी लाइन ब्लाक पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)